शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें
GOVERNMENT OF GOA
GOA SARVA SHIKSHA ABHIYAN

# गोवा सर्व शिक्षा अभियान
# वार्षिक रिपोर्ट

## 2014-15

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें
GOVERNMENT OF GOA
GOA SARVA SHIKSHA ABHIYAN

S.C.E.R.T. Building, Alto Betim, Goa-403521.
E-mail: ssa_goa@rediffmail.com,
**Website: www.goassa.nic.in**
**Tel. 0832-2413949, Fax: 0832 – 2415159**

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें
GOVERNMENT OF GOA
GOA SARVA SHIKSHA ABHIYAN

# अनुक्रमणिका


| क्रम संख्या | क्रियाकलाप | पृष्ठ |
|---|---|---|
| 1. | राज्य का ब्यौरा | 3 - 5 |
| 2. | राज्य के शिक्षा का ब्यौरा | 5 |
| 3. | वर्ष 2014-15 के लिए शिक्षण सूचक | 6 - 11 |
| 4. | एस एस ए के क्रियाकलपों का वार्षिक रिपोर्ट | 12 - 15 |
| 5. | गोवा सर्व शिक्षा अभियान का संगठन/प्रशासनिक ढांचा | 16 - 20 |
| 6. | जी एस एस ए की उपलब्धियां जैसे कि राष्ट्रीय मिशन का लक्ष्य | 21 - 23 |
| 7. | गतिविधिवार व्यय का सार | 24 |
| 8. | सभी मुख्य क्रियकलापों की सूचकों की संक्षिप्त झलकियाँ | 25 - 47 |
| 9 | फोटोग्राफ | 48 – 50 |
| 10. | आभारोक्ति | 51 - 52 |

# 1. राज्य का ब्यौरा

## 1.1 (भौगोलिक और समाजिक-आर्थिक ब्यौरा)

क्षेत्र के अनुसार गोवा भारत का सबसे छोटा राज्य है और जनसंख्या के अनुसार चौथा राज्य है,जो कि प्राकृतिक सुन्दरता का धनी, आँखों को भाने योग्य है साथ ही प्राकृतिक संसाधनों से भी युक्त है और आर्थिक समरसता की ऊँचाइयों को छूने में सहायता प्रदान करता है। पूरे देश के जी डी पी प्रति कैपिटा दर में ढाई समय धनी राज्यों में से है।2007 के लिए वर्तमान मूल्यों में इसका अनुमानित जी डी पी $ 3 मिलियन है और माना जा रहा है की देश में सबसे तेज वृद्धि दर है। 8.23% (1990-2000 का वार्षिक औसत)

गोवा, व्याहारिक रूप से भारत के कोंकण तट के साथ बसा हुआ है, जो कि 131 कि.मी. तटीय क्षेत्र के साथ फैला हुआ है।इसके आंशिक रूप से पहाड़ी इलाकों के साथ पश्चिमी घाटों में लगभग 1200 मीटर में राज्य के कुछ भाग उच्छदित है।उत्तर में तिराकोल नदी महाराष्ट्र राज्य गोवा को अलग करती है कर्नाटक दक्षिण में स्थित है। पश्चिम में अरब सागर और पूरब में पश्चिम घांट क्रमश: उसकी प्राकृतिक सीमाओं का निर्माण करती है

तिसवाडी द्वीप मांडवी और जुआरी नदियों के मध्य में है जो कि जमीन के मुहानों से जुड़े हुए हैं यह द्वीप आकर में त्रिकोणीय हैऔर गोवा के बंदरगाहों को दो भागों में बांटती है।उत्तर में मांडवी के छोर पर अगवाडा और दक्षिण में जुआरी के छोर पर मुरमगांव है।इसकी भूमि उत्तर से दक्षिण तक 105 कि. मी. की लम्बाई तक फैला हुआ है और इसकी चौड़ाई पूर्व से पश्चिम तक 60 कि. मी. तक फैला हुआ है। इसका कुल क्षेत्रफल 3702 वर्ग कि. मी. है।इसकी राजधानी पणजी है,भौतिक तुलनात्मक रूप से बहुत छोटा राज्य है।

जुआरी नदी के दक्षिण छोर में स्थित मुरमागाँव बन्दरगाह पश्चिम तट में भारत केश्रेष्ठ प्राकृतिक बन्दरगाहमें से एक है।

गोवा का वातावरण पूरे साल भर आमतौर पर सुहावना और सामान्य रहता है । ग्रीष्म ऋतू में तापमान 24 डिग्री सेंटीग्रेड से 36 डिग्रीसेंटीग्रेड के बीच रहता है मानसून आमतौर पर जून प्रथम सप्ताह में शुरू होता है । और राज्य में औसत 2500 मी. मी. की अच्छी वर्षा जून से सितम्बर के दौरान होती है गोवा में मांडवी, जुआरी, साल, तेराकोल, चपोरा और तालपोना 6 महत्वपूर्ण नदियाँ हैं ।.

गोवा का क्षेत्र 3702 वर्ग मील है और 14.53'अक्षांश उ. और 15.40'द. और 73.40'पू. और 74.20' रेखांश के बीच में है।अधिकतर गोवा तटीय समतल है जो कि पूरे कोंकण क्षेत्र का भाग है और पश्चिमी घाट तक उठा हुआ है जिसे डक्खन का पठार अलग करता है । 1167 मीटर ऊंचाई के साथ सोनसोगोर सबसे ऊच्च बिंदू है (3829 फीट)। पर्यटन गोवा का मुख्य उध्योग है । देश में आनेवाले 12% विदेशी यात्रिकों का स्वागत करती है ।

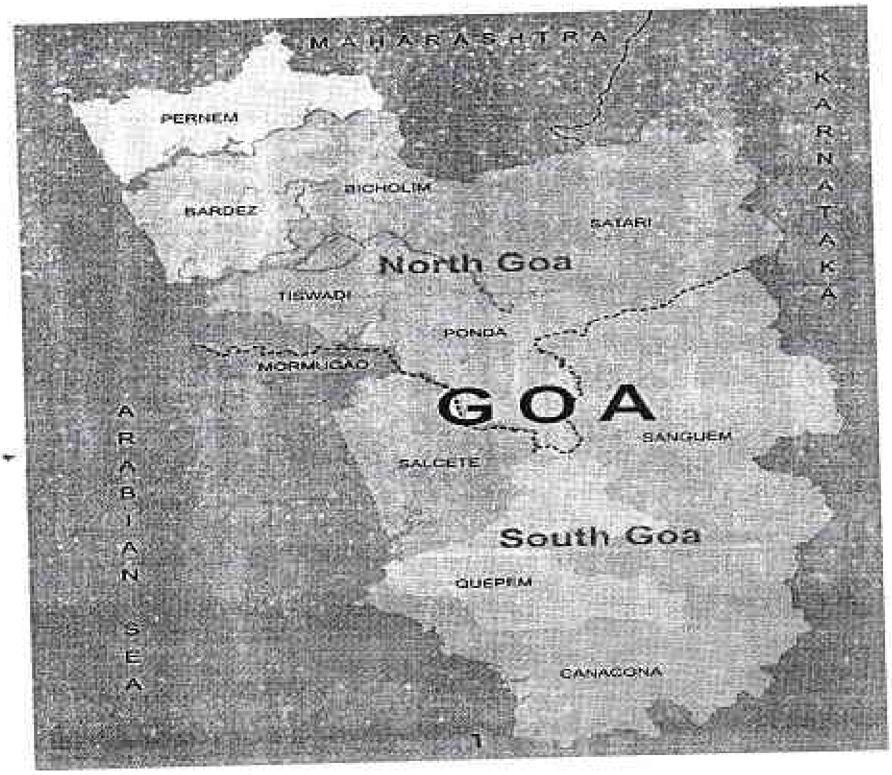

### 1.2. जनसंख्याकी ब्यौरा:

जनसंख्या का दशकवृद्धि दर 14.9% है 2011 के जनगणना के अनुसार गोवा का जनसंख्या 14,58,545 व्यक्ति हैं इसमें से 66% हिन्दू, 26.5% क्रिस्चन और 8.3% मुस्लिम हैं, अन्य छोटे समुदाय जैसे कि सिख,जैन और बौद्ध मिलाकर ०.1% हैं।निम्नलिखित तालिका एक नजर में जनासंख्याकी सूचकों को दर्शाता है :

| जनसंख्याकी सूचक (2011 के जनगणना के अनुसार) | |
|---|---|
| कुल जनसंख्या | 14.58 लाख |
| शहरी जनसंख्या का % | 62.2 |
| अनुसच्रित जाति जनसंख्या का % | 1.7 |
| अनुसचित जन जाति जनसंख्या का % | 10.2 |
| मुस्लिम जनसंख्या का % | 6.84 |
| साक्षरता दर | 88.7 |
| महिला साक्षरता दर | 84.7 |
| पुरुष साक्षरता दर | 92.6 |
| लिंग अनुपात (0-6 वर्ष) | 920 |
| लिंग अनुपात (6-14 वर्ष) | 973 |
| लिंग अनुपात (सभी) | 960 |
| जनसंख्या का घनत्व | 363 प्रति वर्ग कि.मी. |
| जनसंख्या का दशक वृद्धि दर | 14.9% |
| जन्म दर (as in 2007) | 15.70 प्रति 1000 व्यक्ति |

बोली जाने वाली भाषाओँ के संबंध में विभिन्न तरह की भाषाएँ बोली जाती हैं, स्कूलों में निर्देश का माध्यम 7 भाषाओं में कोंकणी, मराठी, और अंग्रेजी से लेकर हिंदी, उर्दू और तेलगु में भीहै 1987 का गोवा, दमन दीव राजभाषा अधिनियम के अनुसार देवनागरी में लिखी जानी वाली कोंकणी अकेली गोवा की राजभाषा है। परन्तु मराठी का प्रयोग सभी कार्यालय उद्देश्य के लिए किये जाने की व्यवस्था कराता है।यध्यपिपुर्तगाली शासन के दौरान विशेष सांस्कृतिक जायके के साथ पुर्तगाली भाषागोवा का एकमात्रराजभाषा था अब प्रयोग में नहीं है, इसके कुछ गिने चुने भाषा के प्रवक्ता रह गये हैं।

### 1.3.राज्य में शिक्षा का ब्यौरा:

| | |
|---|---|
| जनसंख्या (2011 का जनगणन) | 14.58 लाख |
| 6-14 वर्ष उम्र वर्ग | 1,30,425 |
| अनु. जा. जनसंख्या | 1.7 |
| अनु. ज. जा. (कुल नामांकन का %) | 10.2 |
| लिंग अनुपात | 973 |
| जिला परियोजना कार्यालय | 2 |
| प्रखंड संसाधन केन्द्रों की संख्या | 12 |
| समूह की संख्या | 108 |
| विशेष केन्द्रित जिले (पीएमओ के 121 अल्पसंख्यक जिले) | 1 (दक्षिण जिला) |

## 1.3. शैक्षणिक सूचक:

शैक्षणिकसूचक (2014-15के यू डी आई एस ई के आधार पर)

निम्नलिखित मुद्रितशैक्षणिक सूचक राज्य द्वारा प्रस्तुत एमयूडीआईएसई डाटा के आधार पर है, जो कि टीएसजी के एमईएस इकाई द्वारा तैयार किया गया है।पूर्ण आकलन और उनपर टिप्पणियांटीएसजी के प्रोत्साहन टीम द्वारा की गई हैं।

राज्य ने 2014-15 का डीआईएसई डाटा प्रस्तुत किया है।

| | 2014-15 |
|---|---|
| प्राथमिक स्कूल (सरकारी + सहायता प्राप्त) | 876 |
| ऊपरी प्राथमिक स्कूल(सरकारी + सहायता प्राप्त) | 442 |
| कुल प्राथमिक नामांकन (लाख में) | 1.24 |
| कुल ऊपरी प्राथमिक नामांकन (लाख में) | 0.73 |
| कुल प्रारम्भिक शिक्षा नामांकन(लाख में) | 1.97 |
| जीईआरप्राथमिक | 117.52 |
| एनईआर प्राथमिक | 109.61 |
| जीईआर ऊपरी प्राथमिक | 111.88 |
| एनईआरऊपरी प्राथमिक | 104.90 |
| सरकारी स्कूलों में शिक्षक | 2093 |
| स्कूल से बाहर बच्चे | 1149 |

ऊपर का तलिका दर्शाता है कि पिछले साल से प्राथमिकऔर ऊपरी प्राथमिकमें कम स्कूल हैं।इसका यह कारण है कि कुछ स्कूल प्राथमिकऔर ऊपरी प्राथमिकमें बंद हो गए।

इस साल प्राथमिक स्तर पर नामांकन बढ गयाऔर ऊपरी प्राथमिक स्तर पर घट गया है यह इसलिए है, क्योंकि अभी प्राथमिक के लिए रिपोर्टिंग कक्षा पहली से पांचवीं तक से है और ऊपरी प्राथमिकके लिए कक्षा छठवीं से आठ्वीं तक है। पहले प्राथमिक के लिए पहली से चौथी और ऊपरी प्राथमिकके लिए कक्षा पांचवी से आठ्वीं तक था।

प्राथमिकऔर ऊपरी प्राथमिकमें जीईआर और एनईआर बढने का कारण यह भी है कि डीआईएसई के दायरे में प्राइवेट स्कूलों को लाया गया है।राज्य ने यह भी रिपोर्ट किया है कि कुछ आऊट आफ स्कूल ब्च्चों को विशेष प्रशिक्षण से मुख्य धारा में लाया गया है।.

शिक्षकों को शामिल नहीं किया गया है और कुछ शिक्षक या तो सेवानिवृत हो गये या उनकी मृत्यु हो गयी

राज्य यह दावा कर रहा है कि से 6 से 14 साल के 1149 बच्चे राज्य में स्कूल से बाहर हैं।

राज्य ने यह स्पष्ट किया है कुछ स्कूलों को निम्न नामांकन के कारण बंद कर दिये गये उन स्कूलों के बच्चों को नजदीकी स्कूलों में शिफ्ट कर दिये गए।

पिछ्ले साल से प्राथमिकऔर ऊपरी प्राथमिकके जीईआर और एनईआरमें वृद्धि हुई है।पिछले साल का जनगणना डाटा उपलब्ध नहीं है, परंतु इस साल का प्रोजेक्ट किया गया जनगणना डाटा एनयूईपीए द्वारा उपलब्धकराया गया है।

कम उम्र और अधिक उम्र में कुल नामांकन बच्चों का प्रतिशत

| वर्ष | प्राथमिक स्तर | | | ऊपरीप्राथमिक स्तर | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | कम उम्र | अधिक उम्र | कुल सकल | कम उम्र | अधिक उम्र | कुल सकल |
| 2014-15 | 2.37 | 4.35 | 6.72 | 3.18 | 3.05 | 6.23 |
| 2013-14 | 2.07 | 5.19 | 7.26 | 2.40 | 13.18 | 15.58 |
| 2012-13 | 1.94 | 5.99 | 7.93 | 2.43 | 15.03 | 17.46 |

| वर्ष | प्राथमिक स्तर | | | ऊपरीप्राथमिक स्तर | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | कम उम्र | अधिक उम्र | कुल सकल | कम उम्र | अधिक उम्र | कुल सकल |
| 2014-15 | 2.37 | 4.35 | 6.72 | 3.18 | 3.05 | 6.23 |
| 2013-14 | 2.07 | 5.19 | 7.26 | 2.40 | 13.18 | 15.58 |
| 2012-13 | 1.94 | 5.99 | 7.93 | 2.43 | 15.03 | 17.46 |
| 2011-12 | 2.44 | 7.10 | 9.54 | 3.87 | 12.38 | 16.25 |
| 2010-11 | 1.88 | 9.86 | 11.74 | 2.93 | 14.64 | 17.57 |
| 2009-10 | 1.71 | 9.77 | 11.48 | 3.24 | 15.46 | 18.70 |
| 2008-09 | 2.11 | 10.11 | 12.22 | 2.71 | 15.97 | 18.68 |

तालिकादर्शाता है कि प्राथमिक में 7% कम उम्र और अधिक उम्र वाले और ऊपरी प्राथमिक स्तर पर 7% अधिक उम्र वाले बच्चे हैं यह दर्शाता है कि अधिक उम्रवाले बच्चों में कमी आयी है।

नामांकन (लाखों में)

| | सभी प्रबंधन | | | | सरकारी + सहयता प्राप्त स्कूल | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्पस | प्राथमिक नामांकन | % वृद्धि/कमी | ऊपरीप्राथमिक नामांकन | % वृद्धि/कमी | प्राथमिक नामांकन | % वृद्धि/कमी | ऊपरीप्राथमिक नामांकन | % वृद्धि/कमी |
| 2014-15 | 123855 | 0.84 | 72673 | -3.44 | 93492 | -1.47 | 68034 | -6.35 |
| 2013-14 | 122820 | 0.31 | 75264 | 0.65 | 94883 | -2.29 | 72650 | 0.23 |
| 2012-13 | 122443 | 7.18 | 74778 | 4.19 | 94334 | -1.55 | 70659 | 0.33 |
| 2011-12 | 114236 | 2.61 | 71769 | 1.67 | 95816 | -2.21 | 70429 | 1.74 |
| 2010-11 | 111330 | -1.47 | 70593 | 7.49 | 97984 | -2.69 | 69223 | 7.90 |

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2009-10 | 112994 | 2.55 | 65673 | 3.02 | 100696 | -5.87 | 64154 | 0.76 |

ऊपर का तालिका दर्शाता है कि सरकारी स्कूलों में नामांकन में कमी आयी है ।इस बात का जिक्र करना आवश्यक है कि पिछले पांच साल से सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में लगातार गिरावट आई है यह देखा गया है कि 2009-10 और 2014-15 के मध्य सरकारी स्कूलों के प्राथमिक स्तर पर बहुत तेजी से गिरावट आई है।

कुल नामांकन (I-VIII)

| वर्ष | सामान्य | अनु. जा. | अनु. ज. जा. | अ. पि. जा. | मुस्लिम |
|---|---|---|---|---|---|
| 2014-15 | 157520 | 3029 | 17084 | 18895 | 21547 |
| 2013-14 | 157443 | 3196 | 18239 | 19206 | 22120 |

ऊपर का तालिका दर्शाता है कि सामान्य वर्ग के नामांकन में बढोतरी हुई है और अन्य वर्ग में गिरावट आई है । यह इसलिए है क्योंकि अन्य वर्ग के विध्यार्थी सामान्य वर्ग में जा रहे हैं।

सरकारी+सहायता प्राप्त स्कूलों में कक्षावर नामांकन संख्या

| वर्ष | कक्षाएं | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | I | II | III | IV | V | VI | VII | VIII |
| 2014-15 | 17837 | 17515 | 17673 | 17759 | 22708 | 22341 | 22675 | 23018 |
| 2013-14 | 17758 | 17910 | 18054 | 18297 | 22864 | 23401 | 23568 | 25681 |
| 2012-13 | 17736 | 17966 | 18151 | 17918 | 22563 | 22959 | 25083 | 22617 |
| 2011-12 | 18324 | 18116 | 18082 | 18213 | 23081 | 25573 | 23071 | 21785 |
| 2010-11 | 18416 | 17667 | 17782 | 18338 | 25781 | 23401 | 21994 | 23828 |

| वर्ष | कक्षाएं | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | I | II | III | IV | V | VI | VII | VIII |
| 2014-15 | 17837 | 17515 | 17673 | 17759 | 22708 | 22341 | 22675 | 23018 |
| 2013-14 | 17758 | 17910 | 18054 | 18297 | 22864 | 23401 | 23568 | 25681 |
| 2009-10 | 19277 | 18705 | 18318 | 19791 | 24605 | 22670 | 21378 | 20106 |
| 2008-09 | 21273 | 20174 | 20939 | 20365 | 24229 | 22370 | 17664 | 23638 |

ऊपर का तालिका दर्शाता है कि सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों के नामांकन प्रतिशत में गिरावट आई है।यह देखा गया है कि 2008-09 और 2014-15 के दौरान सरकारी स्कूलों के प्राथमिक स्तर पर नामांकन बहुत तेजी से गिरावट आई हैनामांकन में गिरावट के संबंध में निरंतर ध्यान और अध्ययन करने की जरुरत है।प्राथमिक स्तर से ऊपरी प्राथमिक स्तर पर बदलाव के लिए विशेष प्रयासों की आवश्यकता है।

कक्षावर नामांकन संख्या : सभी स्कूल

| वर्ष | कक्षाएं | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | I | II | III | IV | V | VI | VII | VIII |
| 2014-15 | 25297 | 24635 | 24764 | 24673 | 24486 | 24016 | 24267 | 24390 |
| 2013-14 | 24722 | 24768 | 24694 | 24659 | 23977 | 24378 | 24389 | 26497 |
| 2012-13 | 24750 | 24831 | 24773 | 23875 | 24214 | 24351 | 26544 | 23883 |
| 2011-12 | 23165 | 22820 | 22275 | 22288 | 23688 | 26164 | 23493 | 22112 |
| 2010-11 | 21865 | 20882 | 20907 | 21309 | 26367 | 23934 | 22415 | 24244 |
| 2009-10 | 22253 | 21646 | 21116 | 22688 | 25291 | 23263 | 21865 | 20545 |
| 2008-09 | 22145 | 20971 | 21713 | 21043 | 24317 | 22410 | 17677 | 23662 |

कक्षावर नामांकन प्रतिशत: सभी स्कूल

| वर्ष | कक्षाएं | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | I | II | III | IV | V | VI | VII | VIII |
| 2014-15 | 12.87 | 12.53 | 12.60 | 12.55 | 12.45 | 12.22 | 12.34 | 12.41 |
| 2013-14 | 12.48 | 12.50 | 12.47 | 12.45 | 12.10 | 12.31 | 12.31 | 13.38 |
| 2012-13 | 12.55 | 12.59 | 12.56 | 12.11 | 12.28 | 12.35 | 13.46 | 12.11 |
| 2011-12 | 12.45 | 12.27 | 11.98 | 11.98 | 12.74 | 14.07 | 12.63 | 11.89 |
| 2010-11 | 12.02 | 11.48 | 11.49 | 11.71 | 14.49 | 13.16 | 12.32 | 13.33 |
| 2009-10 | 12.46 | 12.12 | 11.82 | 12.70 | 14.16 | 13.02 | 12.24 | 11.50 |
| 2008-09 | 12.73 | 12.06 | 12.48 | 12.10 | 13.98 | 12.88 | 10.16 | 13.60 |

कुल नामांकन का लडकियों का प्रतिशत और लिंग समानता सूची

| | | 2009-10 | 2010-11 | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| कुल नामांकन का लडकियों का प्रतिशत | प्राथमिक | 47.99 | 48.27 | 48.2 | 47.92 | 47.98 | 48.04 |
| | ऊपरी प्राथमिक | 46.54 | 47.18 | 46.92 | 47.05 | 47.21 | 47.62 |
| लिंग समानता सूची | प्राथमिक | 0.92 | 0.93 | 0.93 | 0.92 | 0.93 | 0.94 |
| | ऊपरी प्राथमिक | 0.87 | 0.89 | 0.88 | 0.89 | 0.89 | 0.90 |

प्राथमिकस्तर पर लडकियों का नामांकन का प्रतिशत हिस्सा उनके जनसंख्या के हिस्सा के साथ मेल खाता है प्राथमिक स्तर पर लड़्कियों की भागीदारी ज्यादा है। यह व्यवस्था के लिए शुभ संकेत है परंतु जब हम स्थिति का आकलन करते है तो पाते हैं कि हो सकता है कि लडके परिवार के लिए कमाने और मदद के उद्देश्य से स्कूल छोड रहे हैं। इसलिए ऐसे बच्चों पर नजर रखने की और इस व्यवस्था में बनाये रखने आवश्यकता है।प्राथमिक स्तर पर लिंग समानता सूची में वृद्धि हुई है।

2013-14 का कक्षवर लिंग समानता सूची

| | कक्षाएं | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ष | I | II | III | IV | V | VI | VII | VIII |
| 2014-15 | 0.92 | 0.94 | 0.91 | 0.92 | 0.91 | 0.90 | 0.90 | 0.91 |
| 2013-14 | 0.94 | 0.92 | 0.92 | 0.92 | 0.90 | 0.90 | 0.92 | 0.87 |

समाजिक वर्ग में प्रतिशत नामांकन और जनसंख्या

| वर्ग | जनसंख्या हिस्सा का % (2011 का जनगणना) | % नामांकन हिस्सा | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 2010-11 | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 |
| अ. जा. | 1.7 | 1.97 | 1.74 | 1.85 | 1.61 | 1.54 |
| अ.जा.ज. | 10.2 | 9.12 | 9.06 | 7.64 | 9.20 | 8.69 |
| मुस्लिम* | 6.84 | 9.81 | 9.48 | 9.60 | 9.50 | 10.96 |

- मुस्लिम जनगणना 2001

ऊपर के तालिका में जनगणना 2011 के अनुसार जनगणना के हिस्सा में अ.ज., अ.ज.जा. और मुस्लिम बच्चों के नामांकन हिस्सा को तुलना में दर्शाता है। यह दिखाता है कि इन वर्गों में जनसंख्या के अनुपात में नामांकन कम है यह चिंता का विषय है।

बदलाव दर (प्राथमिक से ऊपरी प्राथमिक स्तर)

| वर्ष | लडके | लडकियां | कुल |
|---|---|---|---|
| 2014-15 | 100.10 | 100.21 | 100.15 |

बद्लावदर में प्राथमिक स्तर के टर्मिनल ग्रेड से ऊपरी प्राथमिक स्तर पर बच्चों के स्थानानंतरण को दिखाता है।राज्य में कुल पारगमन दर 100% से ज्यादा है। इसका मतलब पिछले वर्ष के पांच ग्रेड 100% बच्चे इस वर्ष 6 ग्रेड में दाखिला दिये गये यह बहुत अच्छा प्रतिशत है।

स्कूल छोडने वाले बच्चों का वर्षिक औसत

| | 2014-15 | | |
|---|---|---|---|
| वर्ग | लडके | लडकिया | कुल |
| सभी | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| अ.ज. | 0.45 | 6.80 | 3.61 |
| अ.ज.जा. | 4.86 | 4.15 | 4.51 |
| मुस्लिम | 0.89 | 0.00 | 0.00 |

## विशेष केंद्रित जिलों के स्कूल छोडने वाले बच्चे

| क्र.स. | जिला | 2014-15 | | |
|---|---|---|---|---|
| | | लडके | लडकियां | सभी |
| 1 | दक्षिण गोवा | 0.48 | 0.13 | 0.31 |

## शिक्षकों की संख्या

| वर्ष | कुल | | | सरकारी | | | सहायता प्राप्त | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | प्राथमिक | ऊ.प्रा. | मिश्रित | प्राथमिक | ऊ.प्रा. | मिश्रित | प्राथमिक | ऊ.प्रा. | मिश्रित |
| 2014-15 | 1880 | 504 | 6843 | 1443 | 355 | 1051 | 437 | 149 | 5792 |

* प्रा.= (schcat.=1), ऊ.प्रा.= (schcat.=2+4), मिश्रित = (schcat.=3+5+6+7 शिक्षक जो प्रारम्भिक कक्षाओं में पढाते हैं)

## खराब विध्यार्ती शिक्षक स्कूल अनुपात वाले (सरकारी स्कूल)

| | प्राथमिक | | | | | ऊपरी प्राथमिक | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| जिला का नाम | कुल स्कूल | खराब पीटीआर वाले स्कूल | खराब पीटीआर वाले स्कूल का % | अतिरिक्त शिक्षक | अतिरिक्त शिक्षक वाले स्कूल | कुल स्कूल | खराब पीटीआर वाले स्कूल | खराब पीटीआर वाले स्कूल का % | अतिरिक्त शिक्षक | अतिरिक्त शिक्षक वाले स्कूल |
| 2014- | 774 | 8 | 1.03 | - | 343 | 122 | 0 | 0 | - | 122 |
| 2013- | 812 | 391 | 48.15 | 133 | 86 | 47 | 5 | 10.64 | 124 | 38 |

प्राथमिक स्तर पर 8 स्कूल और ऊपरी प्राथमिक स्तर पर कोई स्कूल खराब विध्यार्ती शिक्षक अनुपात में है खराब विध्यार्ती शिक्षक अनुपात वाले स्कूलों में समतुल्यता लाने के लिए राज्य को अनुपातीकरण व्यवस्था लानी चाहिए और अधिक शिक्षकवाले स्कूलों से शिक्षक निकालकर उपेक्षित स्कूलों में पुन: बहाली की जानी चाहिए।

राज्य में सरकारी स्कूलों में विध्यार्ती शिक्षक अनुपात अच्छा है (13) राज्य को स्कूलों में विध्यार्ती शिक्षक अनुपात अच्छा बानाये रखने के लिए अतिरिक्त शिक्षकों पुन: बहाली करनी चाहिए।

| आधारभूत सुविधाओं के बिना स्कूलों की संख्या (सरकरी स्कूल) | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ष | कुल स्कूल | लडकियों के लिए शौचालय | लडकों के लिए शौचालय | पीने का पानी | रैम्प | सीमा दीवार | खेल मैदान | पुस्तकालय |
| 2014-15 | 906 | 8 | 117 | 0 | 338 | 198 | 612 | 4 |
| 2013-14 | 944 | 0 | 0 | 1 | 385 | 214 | 658 | 0 |
| 2012-13 | 959 | 331 | 59 | 7 | 460 | 233 | 658 | 185 |
| 2011-12 | 1040 | 308 | 175 | 6 | 491 | 293 | 644 | 142 |
| 2010-11 | 1057 | 408 | 175 | 15 | 541 | 300 | 631 | 142 |

राज्य में पीने की सुविधा जैसी मूल सुविधा के साथ 100% स्कूल हैं। फिर भी, आर टी ई अधिनियम स्कूलों में कुछ सुविधाओं की मांग करती है।राज्य में स्कूलों में लडकियों के लिए शौचालय, लडकों के लिए शौचालय, रैम्प, सीमा दीवार और खेल मैदान कि व्यवस्था नहीं है।इस वर्ष 4 स्कूलों में पुस्तकालय नहीं है।इसका यही कारण है कि स्कूलों ने इसके बारे में रिपोर्ट नहीं किया।

## 2. वर्ष 2014-15 के दौरान ली गई एस एस ए के कार्यकलापों पर वार्षिक रिपोर्ट (एस एस एढांचा के अनुसार)

### 2.1. सामान्य सूचना

**2.1.1परिचयी टिप्पणी :**

गोवा एस एस ए का शैक्षणिक वर्ष 2014-15 गोवा एस एस ए के लिए विशेष रहा क्योंकि संस्थानिक सफर में 10वें वर्ष में प्रवेश कर लिया राष्ट्रीय स्तर पर भी विभिन्न हस्तक्षेपोंके बावजूद नई ऊंचाईयों को छू रहा है। विशेषकर गुणवता के क्षेत्र में, नये आयामों को देखते हुए उसमें सुधार लाते हुए नये मिशन की तरफ बढ रहा है। पिछले दो वर्षों में, साक्षरता पूर्व और संख्यात्मक पर केंद्रित कार्यक्रम पर आधारित शिक्षक प्रशिक्षण और गणितऔर साइंस के पढाने के लिए देशभर में गुणवता शिक्षा लाने के उद्देश्य की पूर्ति के लिए, जो पहले कभी ना बना हो, ऐसा निश्चित प्रारम्भिक शिक्षा का पाठ्यक्रम तैयार किया गया।

पूरे कार्यक्रम में नये स्कंध को जोडने के बाद जीएसएसए पूर्ण रूप से आगे बढ्ने के लिए तैयार है, वर्ष की शुरुआत स्वागत नोट से हुई। जैसे कि राज्य द्वारा 2014-15 के एडब्ल्यूएंडबी में मानव संसाधन मंत्रालय को भेजे प्रस्ताव को मानव संसाधन मंत्रालय के एसईएंडएल विंग के पीएबी में मंजूरी दी गयी है।पीएबी के कार्यावृत में मंजूरीभेजी गई हैयध्यपि राज्य द्वारा देरी से प्राप्त हुआ, फिर भी जीएसएसए को वर्ष के लिए योजना गतिविधि के द्वारा चार्टर्ड कोर्स बनाने में मदद मिली। राज्य के लिए 25.77 लाख के बजट की मंजूरी प्राप्त हुई और समय-सीमा में लक्ष्य प्राप्त करने के लिए निर्धारित किया गया। इस तरह से जीएसएसए के कार्यकाल और इतिहास में एक औरगुंजायमान गतिविधि जुड गया। आपको हमारी उपलब्धियों बतानेसे पहले2005 में शुरु हुए जीएसएसए के विकास यात्रा से अवगत करायेंगे।

### 2.1.2 संक्षिप्त पृष्ठभूमि:

गोवासर्व शिक्षण अभियान एक पंजीकृत सोसायटी है जिसका राष्ट्रीय स्तर एस एस ए कार्यक्रम को लागू करने के लिए भारत सरकार के अधीन समयबद्ध तरीखे से प्रारम्भिक शिक्षा के वैश्वीकरण के लक्ष्य को पाने के उद्देश्य से गठन किया गया जिसका प्रावधान भारत के संविधान के 86 संशोधन में 6-14 वर्ष के वर्ग के बच्चों के लिए मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा पाने का मूल अधिकार के रूप में किया गया है।

सर्वशिक्षण अभियान के राष्ट्रीय मिशन के रूप शुरु हुए दशक से ऊपर हो गया है प्रारम्भिक शिक्षा के वैश्वीकरण के लम्बे प्रतिक्षित लक्ष्य की तरफ इतिहासिक यात्रा है।राष्ट्रीय मिशन के साथ देते हुए गोवा सर्व शिक्षण अभियान का ध्येय है कि गोवा राज्यमें 6-14 वर्ष वर्ग के बच्चों को उपयोगी और गुणवता प्रारम्भिक शिक्षा दिला सके।एस एस ए का यह प्रयास है समुदाय के भागीदारी से और शिक्षक प्रशिक्षण और अन्य खास गुणता लाकर सुदृत क्लासरूम का निर्माण करना है।

### 2.1.3. चुनौतियां :

अ) स्कूल से बाहर बच्चों के लिए स्कूल

गोवा सर्व शिक्षा अभियान गोवा राज्य में 2 अक्तूबर 2005 को यू ई ई के विशेष समय सीमा में प्राप्ति के उद्देश्य से शुरू किया गया था। गोवा में प्रारम्भिक स्तर के शिक्षा के संबंध नामंकन,उपस्थिति और बच्चों को स्कूल में बनाये रखने के लिए कोई चुनौती नहीं है।सबसे बडी चुनौती यह है कि प्रवासी मजदूरों के बच्चे जो स्कूल से बाहर हैं और प्रावाही जनसंख्या का निर्माण करते हैं को मुख्यधारा में लाने की तकनीक में और संशोधन की जरुरत है।इस तरह के लोग पडोसी राज्य कर्नाटक और महाराष्ट्र से मछली पकडने और टूरिज्म इंन्डस्ट्री के काम के लिए आते हैं।उडीसा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडू और बिहार से भी बडी संख्याओं में आये हैं जो मछली पकडने के मौसम के दौरान तटीय क्षेत्र के साथ बसे हुए हैं और शहरी क्षेत्रों में मड्गांव, मुरमुगांव, पणजी और मापुसाइन 4 शहरों में बसे हुए हैं।

फिर भी गोवा एस एस ए का मुख्यधारा में लाने का गतिविधि कार्य कर रहाहै, समस्या यह है कि बच्चे एक जगह से दूसरे जगह में या राज्य से बाहर चले जाते हैं। इस तरह के प्रभावित बच्चों को राज्य में प्रारम्भिक शिक्षा दिलाने के लिए एन आर एस टी सी में दाखिला कराया गया है।

**ब)समावेश :**

गोवा एस एस ए ने विशेष बच्चों की आवश्यकताओं को समावेश करने के लिए साहसी प्रयास किये हैं, उनके के लिए मददगार सहायता, ब्रैल में पुस्तकें, सुनने के उपकरण, रैम्प अन्य सुविधाएं दी हैं। आर टी ई को ध्यान में रखते हुए कुछ गृह आधारित शिक्षा के मामले क्रियान्वित किये गये हैं।
अभिभावक जागरूकता कार्यक्रम और एस एम सी कार्यक्रम में बच्चों के शिक्षा अधिकार को ध्यान में रखते हुए नियमित स्कूलों में समावेश हेतु ध्यान केंद्रित करने के लिए जागरूकता फैलाया जाता है।

**सी) प्रभावी शिक्षक प्:**

सेवाकालीन शिक्षक प्राशिक्षण कार्यक्रयम की व्यवस्था और पूरा करना एक ऐसा क्षेत्र जहां अभी भी चुनौती बनी हुई है। रिपोर्ट किये वर्ष के दौरान प्रारम्भिक शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर मार्गदर्शन अनुसार विशेष क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिलाया गया।सभी प्रशिक्षण मोड्यूल शुरुआती साक्षरता और संख्यात्मक कार्यक्रम और शुरुआत ग्रेड प्रथम और द्वितीय लागू करने के लिए डिजाइन किये गये हैं साथ हि साथ ऊपरी प्राथमिक शिक्षकों के लिए गणित और साइंस पढाने के केंद्रीत प्रोग्राम हैं।मोड्यूल इस तरह से बनाये गये हैं जिसे शिक्षकों को क्लासरूम को रुचिकर और बच्चे के लिए प्रिय बनाने के लिए आवश्यक कौशल और क्षमता प्राप्त कर सके।प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्नगतिविधियों को शामिल किया गया है जिसमें चर्चा, समूह में विचार विमर्श और कार्यशाला और इससे भी महत्वपूर्ण शिक्षकों से ज्ञान अर्जन और शुरूआती साक्षरता विषय पर आधारित विध्यर्थियों के लिए वर्कसीट तैयार कराया जाता है।

यध्यपि, गोवा एस एस ए का क्षेत्र में कडा अभ्यास किया है और पूरे तौर सफलता भी मिली है, सभी शिक्षकों का इसमें सहभागिता अभी भी कडी चुनौती है।

प्रत्येक कार्याकलापों का विस्तृत ब्यौरा इस रिपोर्ट के साथ लागे पन्नों में दिये हुए है, जिसमें बजट आबंटन और संबंधित व्यय/उपलब्धियां का ब्यौरा भी है।

डी)समुदाय संघटन

सम्पूर्ण स्कूल निष्पादन में समुदाय का 100% सहभागिता अधूरा क्षेत्र है। फिर भी हम गर्व के साथ आश्वस्त करते हैं किएस एम सी सरकारी स्कूलों में नियमित शिक्षा के साथ आर टी ई अधिनियम के प्रकाश में स्कूल प्रबंधन की भूमिका अदा कर रहा है।ग्रामीण सरकारी स्कूलों में इसका परिणाम परिलक्षित है, एस एम सी सक्रिय रूप से बडे पैमाने पर स्कूल विकास को प्रोत्सहित कर रहा है, इसका परिणाम बहुत स्कूलों में देखा जा सकता है।फिर भी, इस क्षेत्र में हमें कई आगे दूर जाना है तभी लक्ष्य पूरा होगा।एस एम सी प्रशिक्षण इस वर्ष की समाप्ति के दौरान तेजी से चल रहा है।

## 2.1.4. गोवा सर्व शिक्षण अभियान का संगठन का ढांचा

### प्रशासी परिषद

| | |
|---|---|
| मुख्य सचिव | अध्यक्ष, गोवा एस एस ए सोसायटी |
| सचिव शिक्षा | अध्यक्ष, कार्यकारी समिति |
| सचिव वित्त | सदस्य |
| सचिव पी डब्ल्यू डी | सदस्य |
| सचिव योजना | सदस्य |
| सचिव ग्रामीण विकास एजेंसी | सदस्य |
| सचिव समाज कल्याण | सदस्य |
| सचिव, महिला और बाल विकास | सदस्य |
| सचिव पंचायत | सदस्य |
| निदेशक शिक्षा | सदस्य |
| राज्य परियोजना निदेशक | सदस्य सचिव |
| सुश्री रजनी कोंणनतंब्री, सहायक प्रो. (टिस्फ, टिस्स) | सदस्य |

## गोवा सर्व शिक्षण अभियान का संगठन का ढांचा

| | |
|---|---|
| राज्यपरियोजना निदेशक | सदस्य सचिव |
| निदेशकएस सी ई आर टी | सदस्य |
| निदेशक महिला और बाल विकास | सदस्य |
| सुश्री रजनी कोंणनतंब्मी, सहायक प्रो. (टिस्फ, टिस्स) | सदस्य |
| इंस्टीच्यूटआफ सोशल साइंस, महाराष्ट |  |
| अधीक्षक अभियंता, पी ड्ब्ल्यू डी दक्षिण | सदस्य |
| अधीक्षक अभियंता, पी डब्ल्यू डी (उत्तर)निगरानी और मूल्यांकन यूनिट | सदस्य |
| उप निदेशक शिक्षा (व्यवस्क) | सदस्य |
| उप निदेशक शिक्षा(उत्तर शिक्षा जोन) | सदस्य |
| उप शिक्षानिदेशक (केंद्रीय शिक्षा जोन) | सदस्य |
| प्राचार्य डायट | सदस्य |
| श्री अशोक देसाई, पूर्व शिक्षा निदेशक | सदस्य |
| डा. गीता काळे, पूर्व उप शिक्षा निदेशक | सदस्य |
| श्री पी आर नाडकर्णी,पूर्व अध्यक्ष गोवा बोर्ड माध्यमिक और उच्च शिक्षा | सदस्य |
| श्रीमती सुरेखा दीक्षित, अध्यक्ष गोमंतक बाल शिक्षण परिषद | सदस्य |
| डा सेल्सा पिंटो, पूर्व शिक्षा निदेशक | सदस्य |
| श्री कूंटिलानो फालेरो, प्रधानाध्यपक | सदस्य |
| श्री गजानन मांद्रेकार, प्रधानाध्यापक | सदस्य |
| डा. मारिआ एड्म्स, निदेशक सपंदन | सदस्य |
| डा. नंदिता डिसूझा, निदेशक,सेथु | सदस्य |

## गोवा सर्व शिक्षण अभियान

## ORGANOGRAM

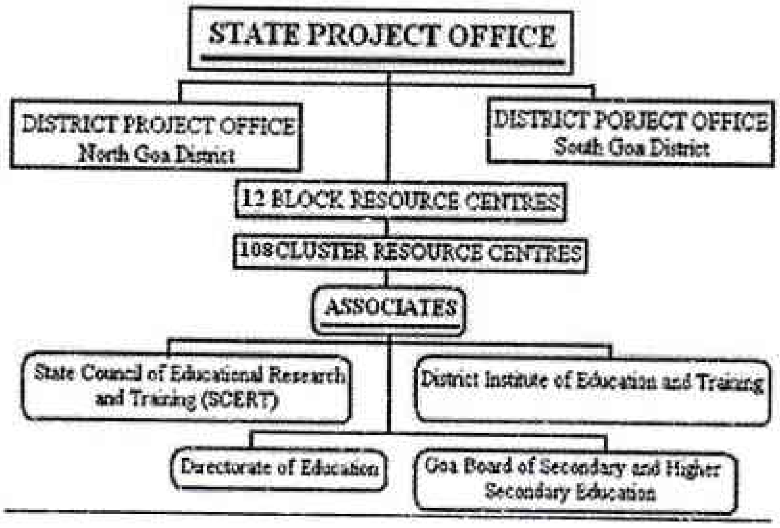


सर्व शिक्षा अभियान कार्यक्रम और गतिविधियां प्रारम्भिक स्तर पर स्कूली शिक्षा के सम्पूर्ण सुधार पर ध्यान केंद्रितकरता है। जिसमें विध्यार्थियों के नामांकन, विध्यार्थियों और शिक्षकों की उपस्थिति, प्रारम्भिक शिक्षा के अंत तक बच्चों को शिक्षा से जोडे रखना और क्लासरूम शिक्षण सीखने की प्रक्रिया का बारीकी से ध्यान रखता है। इसलिए, गोवा सर्व शिक्षा अभियानके लिए आवश्यक और दायित्व है कि शिक्षा निदेशालय के माध्यम से सभी स्तर पर विभिन्न शिक्षा कार्यालयों के साथ हाथ मिलाए।

### 2.1.5.प्रशासनिक ढांचा

गोवा एस एस ए के प्रशासनिक ढांचा में एस पी ओ कार्यालय में मुख्यालय के साथ सहायक जिले कार्यालय, उत्तर और दक्षिण जिले के साथ जुडे हुए हैं।प्रत्येक जिले कार्यालय के अधीनस्थ ब्लाक संसाधन केंद्रों से जुडे हुए हैं, प्रत्येक जिले में 6 बी आर सी, इस तरह से कुल 12 बी आर सी राज्य भर में 108 समूहों से आगे जुडे हुए हैं।

नीचे दिया गये मानचित्र में गोवा सर्व शिक्षा अभियान के विभिन्न प्राशासनिक कार्यालयोंकोदर्शाया गया है।

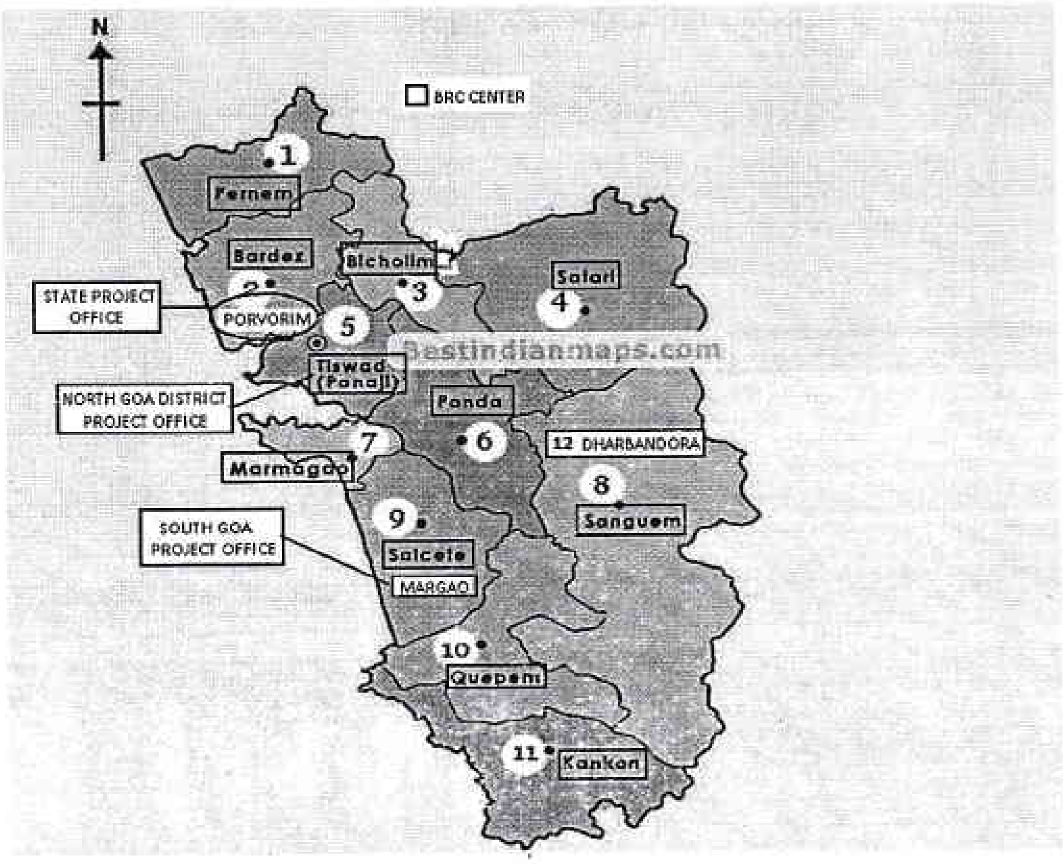


2.1.6. संगठनका पदानुक्रम

- <u>राज्य स्तर पर:</u> गोवा सर्व शिक्षा अभियान सोसायटी उच्चतर स्तर पर प्रशासी परिषद द्वारा चलाया जाता है और इसके अध्यक्ष मुख्य सचिव हैं। समिति का कार्यकारी परिषद योजनाओं की निगरानी, एस एस ए के हस्तक्षेपों और गतिविधियों की देख-रेख करता है।एस एसा ए के प्रशासनिक ढांचाका आंकडा ऊपर दिया गया है। गोवा एस एस ए का परियोजना कार्यालय परवरी मेंस्थित है, जबकि उत्तर गोवा का जिला मुख्यालय पणजी से और दक्षिण गोवा का मुख्यालय मडगांव से काम करता है।राज्य परियोजना कार्यालय के प्रधान राज्य परियोजना निदेशक हैं, जिनकी सहायता उप निदेशक शिक्षा,मुख्य लेखाधिकरी और एस एस ए के विभिन्न क्रियाकलापों को देखनेवाले राज्य कार्यक्रम के समन्वयक करते हैं।

- <u>जिला स्तर पर</u> : जिला प्रोजेक्ट कार्यालय का प्रधान जिला प्रोजेक्ट अधिकारी हैं, जो शिक्षा विभाग के सहायक निदेशक के नियमित कैडर से लिये गये हैं, ये शिक्षा निदेशालय के अधीन केंद्रीय और दक्षिण जोन के शिक्षा के मुखिया हैं।

  जिलेकार्यालय,बी आर सी और सी आर सी से समय-समय पर प्राप्त सूचनाओं का संकलन करते हैं।जिला स्तर पर डिसे डाटा एक्त्रित करनाऔर विभिन्न गतिविधियों की निगरानी जिला स्तर पर एक प्रमुख कार्य है।

- <u>प्रखंड स्तर पर</u> : प्रखंड स्तर पर बी आर सी मुखिया हैं, उनकी सहायता 5 से 6 अन्यबी आर पी द्वारा की जाती है, अन्य तकनीकी स्टाफ जैसे कि : डाटा इंट्री आप्रेटर,2 लेखापाल और एक एम आई एस कार्डिनेटर जो ब्लाक शैक्षिक डाटा का संग्रह रखते हैं।
- <u>समूह स्तर पर:</u> जमीनी स्तर /कार्य क्षेत्रमें 108 समूह संसाधन व्यक्ति बी आर सी से सीधे जुडे हुए हैं और उसके नियंत्रण में कार्य करते हैं और उन्हे रिपोर्ट करते हैं।

पूर्ण आकलन: योजना वर्ष के दौरान 79.6% की पूर्ण अच्छे उपलब्धि दर की प्राप्ति में स्टाफ कि स्थिति में स्थिरता ने पूरा योगदान दिया है।केंद्रीय स्तर से राज्य स्तर पर निधि के आबंटन में बदलाव होने के कारण देरी से निधि प्राप्त हुई जिसे कार्य निष्पादन में महत्वपूर्ण कमी रह गयी।

## 2.2. गोवा एस एस ए की उपलब्धियां
## राष्ट्रीय मिशन का लक्ष्य

### 2.2.1. अभिगमन और नामांकन

- ✓ राज्य में प्राथमिक स्कूलों में बच्चों का कुल नामांकन 90% से ऊपर है।
- ✓ कुल नामांकन का 49% लड्कियों का हिस्सा है
- ✓ प्राथमिक से ऊपरी प्राथमिक में परागमन दर लगभग 100% है।
- ✓ आर टी ई अधिनियम के अनुसार के अनुसार 8वीं तक ना फेल करने की नीति
- ✓ राज्य में प्राथमिक स्कूल 1 कि.मी. की परिधि में हैं।
- ✓ राज्य में ऊपरी प्राथमिक स्कूल 3 कि.मी. की परिधि में स्थित हैं।
- ✓ 100% प्रशिक्षित शिक्षक
- ✓ पर्याप्त शिक्षकों की उपलब्धता
    - ✓ प्राथमिक स्तर पर 1:26 और ऊपरी प्रथमिक स्तर पर 1:32 पी टी आर अनुपात है

### 2.2.2. आगे देखने की राज्य की नीति

- ➢ सरकारी प्राथमिक और ऊपरी प्राथमिक स्कूलों में पढ्ने वाले बच्चों के लिए यूनिफार्म की व्यवस्था, रेनकोट, मुफ्त पुस्तकें की व्यवस्था
- ➢ सहायता प्राप्त स्कूलों में पढनेवाले एस सी /एस टी और ओबीसी और सरकारी स्कूलों में पढनेवाले सभी बच्चों के लिए स्कूल आधारित यातायात की सुविधा
- ➢ एस सी /एस टी और ओबीसीबच्चों के लिए प्रोत्साहन, छात्रवृति
- ➢ एस सी/एस टी लडकियों और उनके माता पिता के लिए प्रोत्साहन

2.2.3. शिक्षा का अधिकार अधिनियम लागू करने के संबंध

- राज्य आर टी ई नियमा 2 अगस्त 2012 को अधिसूचित किये गये
- प्रारम्भिक स्तर पर सी सी ई को पूर्ण कवरेज
- आर टी ई नियम अनुसार उम्र के अनुसार बच्चों के दखिला का अनुपालन
- राज्य में एन जी ओ और नियमित शिक्षकों के द्वारा सही उम्र में दखिला के लिए विशेष प्रशिक्षण की व्यवस्था
- पाठ्यक्रम सुधार के लिए पहल और टेक्सबुक विकास का कार्य सही रूप से चल रहा है
- फिर भी, राज्य के बिना सहायता वाले प्रावेट स्कूलों में आर टी ई 2009 के सेक्शन 12(सी) के अनुसार 25% दाखिलाओं को अभी तक अधिसूचित नहीं किया गया है।
- राज्य को प्रारम्भिक शिक्षा के लिए 'प्रति बच्चे व्यय' को अधिसूचित करनेकी जरुरत है जो कि प्रक्रियाधीन है।
- उसी तरह से आर टी ई नियम के उल्लंघन के लिए शिकायत निवारण यंत्र को अभी तक अधिसूचित नहीं किया गया है। कैबिनेट की मंजूरी ले ली गई है और अधिसूचित करने की प्रक्रिया चल रही है।

आर टी ई अधिसूचना की स्थिति एक नजर में:

| क्र. सं. | आर टी ई अधिनियम के प्रावधान | स्थिति |
|---|---|---|
| 1 | राज्य नियमों की अधिसूचना | अधिसूचित |
| 2 | एससीपीसीआर/रेपा का गठ्न | अधिसूचित |
| 3 | एकेडेमी प्राधिकारी की अधिसूचना | अधिसूचित |
| 4 | 8 वर्षीय प्रारम्भिक शिक्षा पर नीति | अनुपालन हो रहा है |
| 5 | फेल ना करना | अधिसूचित |

| | | |
|---|---|---|
| 6 | कठोर सजा ना देना | अधिसूचित |
| 7 | प्रारम्भिक स्तर तक बोर्ड परीक्षा नहीं | अधिसूचित |
| 8 | प्राइवेट टयूशन की बंदी | अधिसूचित |
| 9 | स्क्रीनींग प्रक्रिया और कैपीट्सन फीस की बंदी | अधिसूचित |
| 10 | विकेंद्रीकृत शिकायत निवारण यंत्र | अधिसूचित |
| 11 | स्थानीय प्राधिकारी अधिसूचित | एम सी, एन पी, जेड पी,पी |
| 12 | प्राइव सहायता ना प्राप्त स्कूलों में प्रवेश स्तर पर 25% दाखिला | अधिसूचित नहीं |

2.2.4. राज्य में स्कूली सुविधाएँ :

वर्ष 2014-15 के दौरान राज्य में 1664 प्राथमिक और ऊपरी प्राथमिक स्कूल हैं। इनमे से शिक्षा विभाग के अधीन 820 प्राथमिक और 122 ऊपरी प्राथमिक स्कूल चल रहे हैं। राज्य में सहायता प्राप्तक्षेत्र में 56 प्राथमिक और ऊपरी प्राथमिक स्कूल हैं। बिना सहायता वाले स्कूलों में 132 प्राथमिक और 22 ऊपरी प्राथमिक स्कूल हैं इस तरह से कुल 154 बिना सहायात वाले स्कूल स्कूल हैं। नीचे के तालिका आंकडों में एक नजर में दर्शाता है :

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें
GOVERNMENT OF GOA
GOA SARVA SHIKSHA ABHIYAN

स्कूली सुविधाएं (प्रखंडवर स्कूलों का वितरण)

| सं. | प्रखंड | प्रखंड में स्कूलों की संख्या | | | | | | कुल | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | सरकारी स्कूल | | सरकारी सहायता वाले स्कूल | | बिना सहायता वाले स्कूल | | | | |
| | | पी एस | एच एस के साथ ऊपी | पी एस | एच एस के साथ ऊपी | पीएस | ऊपी | पी एस | ऊपीएस | कुल |
| 1 | पोड्णे | 76 | 16 | 20 | 28 | 5 | 1 | 101 | 45 | 146 |
| 2 | बार्देज | 70 | 9 | 47 | 53 | 32 | 4 | 149 | 66 | 215 |
| 3 | बिचोली | 82 | 14 | 13 | 19 | 5 | 0 | 100 | 33 | 133 |
| 4 | सत्तरी | 107 | 21 | 7 | 8 | 1 | 0 | 115 | 29 | 144 |
| 5 | तिसवाडी | 42 | 5 | 31 | 39 | 25 | 0 | 98 | 44 | 142 |
| 6 | पोंडा | 127 | 7 | 29 | 39 | 11 | 2 | 167 | 48 | 215 |
| | कुल | 504 | 72 | 147 | 186 | 79 | 7 | 730 | 265 | 995 |
| 7 | सांगे | 56 | 7 | 3 | 5 | 0 | 0 | 59 | 12 | 71 |
| 8 | केपे | 61 | 10 | 13 | 11 | 2 | 0 | 76 | 21 | 97 |
| 9 | साल्सेट | 50 | 11 | 55 | 58 | 36 | 8 | 141 | 77 | 218 |
| 10 | कानकोना | 70 | 9 | 15 | 13 | 1 | 1 | 86 | 23 | 109 |
| 11 | मुरमुगांव | 25 | 11 | 22 | 27 | 14 | 6 | 61 | 44 | 105 |
| 12 | धारबांदोडा | 54 | 2 | 4 | 9 | 0 | 0 | 58 | 11 | 69 |
| | कुल | 316 | 50 | 112 | 123 | 53 | 15 | 481 | 188 | 669 |
| | कुल | 820 | 122 | 259 | 309 | 132 | 22 | 1211 | 453 | 1664 |

## 2.3. एस एस ए का 31-03-2015 को समाप्त अवधि के लिए गतिविधिवर लेखपरीक्षित व्यय

(Rs. In lakhs)

| क्र. स. | गतिविधि के अनुसार व्यय | पी ए बी का अनुमोदन | | प्राप्ति | % प्राप्ति |
|---|---|---|---|---|---|
| | | भौतिक | वित्तीय | वित्तीय | |
| 1 | स्कूल से बाहर बच्चों के लिए कार्य | 1664 | 52.600 | 15.55 | 30% |
| 2 | शिक्षकोंकावेतन | 254 | 1025.400 | 697.75 | 68% |
| 3 | शिक्षक अनुदान | 474 | 2.370 | 0.00 | 0% |
| 4 | प्रखंड संसाधन केंद्र | 141 | 327.600 | 277.95 | 85% |
| 5 | समूह संसाधन केंद्र | 324 | 347.760 | 234.69 | 67% |
| 6 | शिक्षकोंका प्रशिक्षण | 8584 | 33.310 | 14.76 | 43% |
| 7 | मुफ्त टेक्सबुक | 136062 | 274.925 | 366.24 | 133% |
| 8 | 2 सेट यूनिफर्म की व्यवस्था | 22259 | 73.930 | 74.73 | 101% |
| 9 | सी ड्ब्ल्यूएसएन के कार्य | 1683 | 28.610 | 15.07 | 53% |
| 10 | सिविल कार्य | 100 | 97.950 | 66.41 | 68% |
| 11 | सिविल कार्य (पीड्ब्ल्यूडी) | | | | |
| 12 | अनुरक्षण अनुदान | 885 | 51.200 | 48.58 | 95% |
| 13 | स्कूल अनुदान | 1515 | 84.310 | 84.31 | 100% |
| 14 | अनुसंधान और मूल्यांकन | 1515 | 24.250 | 9.15 | 38% |
| 15 | प्रोजेक्त प्रबंधन और एम आई एस | | 60.840 | 45.14 | 74% |
| 16 | प्रोजेक्त प्रबंधन और एम आई एस (राज्य स्तर) | | 67.170 | 77.39 | 115% |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 16 | अविष्कारी गतिविधि | 123 | 5.120 | 3.38 | 66% |
| 17 | समुदाय संघटन (मिडीया गतिविधि के साथ) | | 10.870 | 8.57 | 78.8% |
| 18 | एस एम सी प्राशिक्षण | 4436 | 8.870 | 2.80 | 31.56% |
| 19 | पूर्व अवधि के व्यय | | 0.000 | 8.61 | |
| | कुल | 180019 | 2577.085 | 2050.58 | 80% |

### *3.2014-15 के लिए गोवा एसएसए के सभी मुख्य क्रियाकलापों और किये गये पहल की सक्षिप्त झलकियां*

### 3.1. गुणवताके घटक

#### 3.1.1. शिक्षक प्रशिक्षण

शिक्षक प्रशिक्षण अभी भी गुणवता घटक का प्रमुख हिस्सा है।इसका एक उद्देश्य है कि सिखाना और सीखने को आनंदमय प्रक्रिया में क्लासरूममें परिवर्तित करना है, जिसका आर टी ई 2009 में उल्लेख किया गया है।प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों के क्षमता का विकास करना है जिससे बेहतर सेवाएं दे संके ।अधिकतर शिक्षक प्रशिक्षण मोड्यूल कक्षा एक से दो कक्षा के शुरुआती साक्षरता और संख्यात्मक कार्यक्रम के लिए, दूसरी से पांचवीं कक्षा के लिए ईवीएस, अंग्रेज, गणित और छठवीं से आठवीं कक्षा के लिए गणित और साइंस विषय में ज्ञान में वृद्धि के लिए राष्ट्रीय रूप से डिजाइन किये गये हैं।इन उप घटकों के अधीन गुणवता कार्य निष्पादन का ब्यौरा नीचे दिया गया है :

### 3.1.1.1. लिंडिक्स को प्रचलित करने के संबंध में

**a. पाठ्यक्रम और ज्ञानार्जन सूचक पर शिक्षकों के लिए पुस्तिका:**

एन सी ई आर टी के सुझाव अनुसार राज्य के जरूरत अनुसारलिंडिक्स को अपनाने के अलावा सूक्ष्म शिक्षण आधारित शिक्षा गोवा एस एस ए की एक और उपलब्धि में जुड गया है। यह आश्वस्त किया जा सकता है कि जीएसएसए गुणवता कक्ष ने राज्य के संदर्भ में एन सी ई आर टी के लिंडिक्स की प्रतियां मुद्रित कराने में सराहनीय कार्य किया है। ये मुद्रित प्रतियां सभी विषय के शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण के समय उपलब्ध कर दी गयी हैं, इसकी शिक्षक समुदाय द्वारा प्रशांसा की गयी, जो क्लासरूम मेंपरिवर्तन लाने के लिए सुनिश्चित लक्ष्य का निर्माण करेगा।

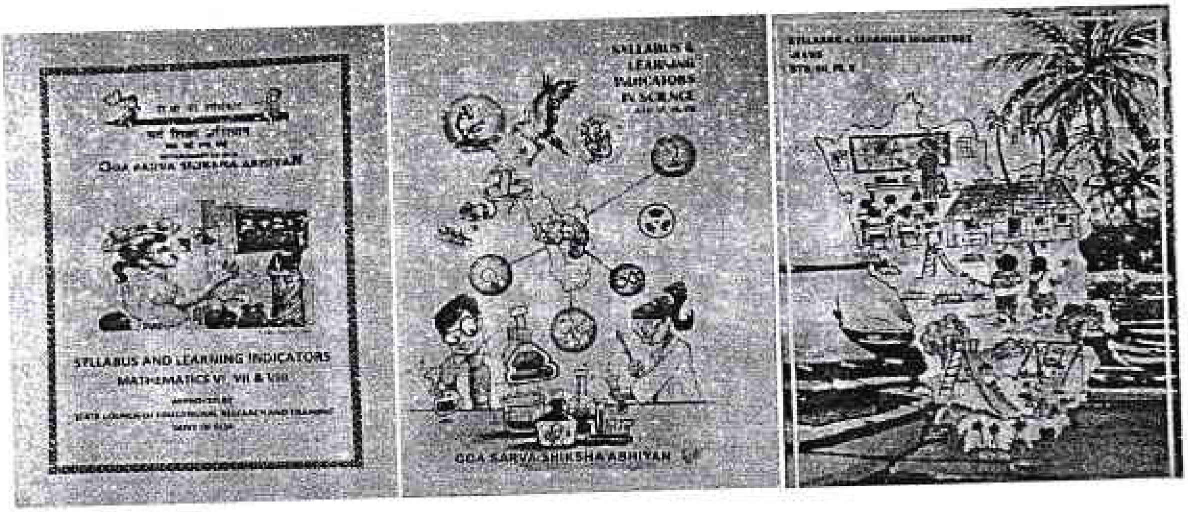


**b. लिंडिक्स् पर आधारित वर्कसीट तैयार करना:**

लिंडिक्स पर आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम के आलावा ज्ञानार्जन सूचक को समझने पर केंद्रित, अन्य चीजों को शामिल करते हुए, प्रशिक्षु शिक्षकों के द्वारा छात्रों के लिए ज्ञानार्जन सूचक के आधार पर आकलन और मूल्यांकन तकनीक के द्वारा वर्कसीट तैयार करना है।

***3.1.1.2* शुरूआती साक्षरता और संख्यात्मक कार्यक्रम*:**

शुरूआती ग्रेड प्रथम और द्वितीय के बच्चों के मध्य पढाई और लिखाई के कौशल के विकास के लिए राष्ट्रीय स्तर पर चलाया जा रहा महत्वपूर्ण क्षेत्र है जो लक्ष्य की प्राप्ति के लिए शिक्षक के क्षमता को माजबूती प्रदान करता है।शुरूआती ग्रेड प्रथम और द्वितीय के शिक्षकों को शामिल करते हुए रिपोर्ट किये वर्ष अनुसार प्रथम 3 वर्ष के लिए शिक्षक प्रशिक्षण का समेकेतिक योजना तैयार किया गया है।

***3.1.1.3.* कक्षा 3-5 के लिए ईवीएस, अंग्रेजी और गणित के ज्ञानार्जन में सुधार पर केन्द्रित कार्यक्रम**

इस लक्ष्य को पाने के लिए निम्नलिखित शिक्षक आयोजित किये गये:

a. ईवीएस (26), अंग्रेजी (21) और गणित(21) में कुल 75 संसाधित व्यक्तियों को राज्य स्तरपर 3 दिनों में प्रशिक्षण दिया गया
b. शिक्षकों के लिए ब्लाक स्तर प्रशिक्षण : ईवीएस-2+अंग्रेजी-1+ गणित-3 में 6 दिनों का प्रशिक्षण दिया गया। कुल 650 शिक्षक ऊपर के विषय पढाते हैं को चिन्हित किया गये, प्रत्येक सरकारी स्कूल से एक और सहायता प्राप्त स्कूल से 2 शिक्षकों गहन प्रशिक्षण दिया गया।

***3.1.1.4.* कक्षा छठवीं से आठवीं के लिए विज्ञान और गणित के ज्ञानार्जन में सुधार पर केंद्रित कार्यक्रम**

विज्ञान और गणित में संसाधन व्यक्तियों के लिए (गणित16 + विज्ञान13) का राज्य स्तर प्रशिक्षण 3 दिनों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

a. (3+3) =6 प्रशिक्षण 442 शिक्षकों के लिएब्लाक स्तर पर विज्ञान और गणितविषय पर आयोजित किया गया।
b. ज्ञानार्जन सूचक पर आधारित प्रशिक्षण जिसमें ज्ञानार्जन सूचकों को समझने और छात्रों के लिए वर्कसीट तैयार करने और आकलन और मूल्यांकन को शामिल किया गया।
c. जी एस एस ए द्वारा शिक्षकों के लिए पुस्तिका प्रकाशित की गयी और सभी प्रशिक्षु शिक्षकों को उसकी प्रति दी गयी ।

| क्र. स. | प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम | ईवीएस, अंग्रेजी और गणित (STD: III, IV & V) | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ब्लाक↓ | स्कूल का नाम | ईवी एस | | | अंग्रेजी | | | गणित | | | कुल बजट |
| | | | TRS | दिवस | बजट | TRS | दिवस | बजट | TRS | | बजट | |
| 1 | बिचोली | 86 | 86 | 2 | 17200 | 86 | 1 | 8600 | 86 | 3 | 25800 | 51600 |
| 2 | पेड्णे | 96 | 96 | 2 | 19200 | 96 | 1 | 9600 | 96 | 3 | 28800 | 57600 |
| 3 | पोंडा | 115 | 115 | 2 | 23000 | 115 | 1 | 11500 | 115 | 3 | 34500 | 69000 |
| 4 | सत्तरी | 67 | 67 | 2 | 13400 | 67 | 1 | 6700 | 67 | 3 | 20100 | 40200 |
| 5 | तिसवाडी | 71 | 71 | 2 | 14200 | 71 | 1 | 7100 | 71 | 3 | 21300 | 42600 |
| 6 | बार्देज | 125 | 125 | 2 | 25000 | 125 | 1 | 12500 | 125 | 3 | 37500 | 75000 |
| उतारगोवा कुल | | 560 | 560 | 2 | 112000 | 560 | 1 | 56000 | 560 | 3 | 168000 | 336000 |

| क्र. स. | प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम | ईवीएस, अंग्रेजी और गणित (STD: III, IV & V) | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ब्लाक | स्कूलों की संख्या | ईवीएस | | | अंग्रेजी | | | MATHS | | | कुल बजट |
| | | | टीआरएम | दिवस | बजट | टी आर एस | दिवस | बजट | टी आर एस | दिवस | बजट | |
| 1 | धरबंदोडा | 27 | 24 | 2 | 4800 | 24 | 1 | 2400 | 24 | 3 | 7200 | 14400 |
| 2 | मारमुगांव | 59 | 56 | 2 | 11200 | 56 | 1 | 5600 | 56 | 3 | 16800 | 33600 |
| 3 | केपे | 54 | 51 | 2 | 10200 | 51 | 1 | 5100 | 51 | 3 | 15300 | 30600 |
| 4 | सांगे | 37 | 34 | 2 | 6800 | 34 | 1 | 3400 | 34 | 3 | 10200 | 20400 |
| 5 | कानकोना | 65 | 62 | 2 | 12400 | 62 | 1 | 6200 | 62 | 3 | 18600 | 37200 |
| 6 | सालसेट | 95 | 83 | 2 | 16600 | 83 | 1 | 8300 | 83 | 3 | 24900 | 49800 |
| दक्षिण गोवा कुल | | 337 | 310 | 2 | 62000 | 310 | 1 | 31000 | 310 | 3 | 93000 | 186000 |

| शिक्षकप्रशिक्षण | लक्ष्य | | प्राप्ति | |
|---|---|---|---|---|
| | भौ. | वि. | भौ. | वि. |
| बी आर सी स्तर पर शिक्षकों के लिए सेवाकालीन रिफ्रेशर प्रशिक्षण | 8584 | 33.310 | | 14.26 |
| कुल | | | | |

### 3.1.1.5. राज्यस्तर उपलब्धि सर्वे का आयोजन:

वर्ष 2014-15 के लिए कक्षा पांच से आठ के लिए एस एल ए एस मंजूर किया गया।एस एल एएस के पूरे मूल्यांकन का डिजाइन का कार्य, रिपोर्ट तैयार करने से लेकर पूरा करने तक एस सी ई आर टी के डा जी. प्रधान केसमर्थ मार्गादर्शन में किया गया। एस एल ए एस करने के लिएराज्यस्तर स्क्रीनिंग समिति वही है जो 2013-14 के एस एल एस के लिए गठित की गई थी, क्योंकि समिति को गठन के समय 3 वर्ष की अवधि दी गयी थी। इस समिति का गठन और अनुमोदन जी एस एस ए के 23 दिसम्बर 2013 को आयोजित की गई 23वीं कार्यकारी समिति की बैठक में किया गया। कार्यकारी समिति ने तब एस एल ए एस के राज्य संस्थान के रूप में शैक्षणिक अनुसंधान के राज्य परिषद को अनुमोदन प्रदान किया।गोवा सरकार के दिनांक 16 जनवरी 2014 के राजपत्र स्टीयरिंग समिति और राज्य संस्थान को अधिसूचित किया गया।सद्स्यों का ब्यौरा निम्नलिखित है :

| क्र. स. | सद्स्यों के नाम | सदस्यों का विवरण | पदेन भूमिका |
|---|---|---|---|
| 1 | श्री मिनानाथ टी. उपाधये | पूर्व राज्य प्रोजेक्त निदेशक,जीएसएसए | अध्यक्ष |
| 2 | श्री नरेंद्र जे. कामत | राज्य पेडगोगी कार्डिनेटर | सदस्य सचिव |
| 3 | श्रीमती सिलविया डिसूझा | सहायक निदेशक शिक्षा, जी एस एस ए | सदस्य |
| 4 | श्रीमती विल्मा हेंनरिक्स | गणित शिक्षक/ प्रधानाध्यपक, मायडोस पोर्ब्स हाई स्कूल,नुवेम, साल्सेट | सदस्य |
| 5 | श्रीमती जेनेसीस डीसूझा | अंग्रेजी शिक्षक/ प्रधानध्यापिका,आदर्श वी वी हाई स्कूल,मड्गांव, मड्गांव | सदस्य |
| 6 | श्रीमती अंतोनेत्ते नोरोन्हा | विज्ञान शिक्षक/ प्रधानध्यापिका,सेंट थोमस हाई स्कूल ,कानसौली | सदस्य |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 7 | श्री संजीव धारवाडकर | सामाजिक विज्ञान शिक्षक (इतिहास) / प्रधानाध्यापक, सारस्वत विध्यालय हाई स्कूल म्हापसा | सदस्य |
| 8 | श्री नरेश बोरकर | सामाजिक विज्ञान शिक्षक(भूगोल) /प्रधानाध्यापक, शारदा इंग्लिश हाई स्कूल, मार्शेल,पोंडा | सदस्य |
| 9 | श्री नागराज होन्नेकेरी | निदेशक, एस सी ईआर टी ( शैक्षणिक प्रधिकारी प्रतिनिधि) | सदस्य |
| 10 | ड. जी. सी. प्रधान | एस सी ईआर टी (अनुसंधान और मुल्यांकन विशेषज्ञ) | सदस्य |
| 11 | आर आइ ई के नामित | (आर आई ई, भोपाल के प्रतिनिधि) | सदस्य |
| 12 | ड. लुईसा वेर्नाल | पूर्व प्रचार्य, जी वी एम कालेज, पोंडा | सदस्य |
| | | | सदस्य |
| 13 | श्री जे. आर. रेबेल्लो | अध्यक्ष, गोवा माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षा ( राज्य शिक्षा बोर्ड के प्रतिनिधि) | सदस्य |
| 14 | शिक्षा निदेशालय | शिक्षा निदेशालय, गोवा सरकार, परवरी | सदस्य |

कक्षापांच के लिए वर्ष 2014-15 का एस एस ए एस रिपोर्ट तैयार होने वाला है और फरवरी 2016 के मध्य तक अंतिम रूप ले लेगा,कक्षा आठ का रिपोर्ट लगभग तैयार है।

एम एच आर डी के द्वारा उपलब्ध मार्गदर्शन के अनुसार जी एस एस ए के गुणवता अनुभाग द्वारा कार्यक्षेत्र में जांच के लिए छात्र प्रश्नावली,शिक्षकप्रश्नावली और स्कूल प्रशनावली डिजाइन किया गया हैऔर उनकी प्रतियां मुद्रित कर कार्य क्षेत्र के जांचकर्तओं को उपयोग करने के लिए उपलब्ध कराया गया है

डा. जी सी. प्रधान के मार्गदर्शन अनुसार कक्षा आठ के लिए 4 विषय (गणित, विज्ञान, अंग्रेजी और सामाजिक विज्ञान) और कक्षा पांच के लिए 3 पेपर(अंग्रेजी,गणित और ईवीएस) टेस्टिंग टूल्स बनाये गये

हैं।राज्य के 61 स्कूलों में कक्षा 8 के 1481 विध्यार्थियों और कक्षा 5 के 1483 विध्यार्थियों पर यह टेस्टिंग टूल्स आजमाये गये ।( उत्तर में 31 और दक्षिण में 30 स्कूल)

उपरोक्त बताये गये विषयों में उत्तर देने वाले बच्चों के संबंध डाटा की प्रविष्टि 13/04/215 से जी एस एस ए के गुणवता कक्ष में 6 एम आई एस कार्डिनेटरों की सहायता से की गयी और 3 महीनों तक चला । डा. जी. सी. प्रधान, एस सी ई आर टी ने अगस्त 2005 से आकलन कार्य ले लिया है।

### 3.1.1.6. ब्लाक संसाधन व्यक्तियों और समूह संसाधन व्यक्तियों के लिए क्षमता विकास कार्यक्रम

मासिक बैठकों के अलावा,ब्लाक संसाधन व्यक्तियों और समूह संसाधन व्यक्तियों के लिए विध्यर्थियों और शिक्षकों को शैक्षणिक क्षेत्रमें नियमित सहायता प्राप्त हो इसलिए शिक्षकों को दिये जाने वाले प्रशिक्षण के पदध्ति और तकनीक के बारे में क्षमता विकास पर प्रशिक्षण दियाजाता है।
वर्ष के दौरान 52 बी आर पी और 108 सी आर पी के लिए 2 दिन का क्षमता विकास कर्याशाला का आयोजन किया गया।

### 3.1.1.7एल ई पी के अधीन पढाई सामग्री का विकास

एल ई पी कार्यक्रम के अधीन *'एन सी आर टी के लिए बरखा सीरीज'* के 40 पुस्तकों के सेट का अनुवाद, मुद्रित कर को शुरुआती पढाई कौशल के विकास के लिए सभी सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों को उपलब्ध कराये गये।

बरखा सीरीज के अलावा, राज्य के गुणवता कक्ष ने अतिरिक्त पढाई का सामग्री कथा तुषार सीरीज का विकास किया है और उसकी प्रतियांसरकारी प्राथमिक और सहायता प्राप्तमराठी स्कूलों को उपलब्ध कराया गया।

एल ई पी शीर्ष के अंतर्गत उसके लिएरू. 4.28 का बजट केवल जीपीएस मंजूर किया गया।

इस कार्यक्रम का लाभ सहायता प्राप्त स्कूलों में आगे बढाने के लिए जी एस एस ए वेदंता फौंडेशन के साथ साझेदारी में सी एस आर के पहल के तहत जुड गया।इसके लिए अतिरिक्त रू. 8.00 लाख की व्यवस्था की गयी । कथा तुषार केसाथ अनुवादित पुस्तक सभी स्कूलों को पढने के लिए उपलब्धकराया गया ।इन पुस्तकों के आंख के भानेवाले रंगीन डिजाइनजी एस एस ए के गुणवता कक्ष द्वारा कला शिक्षकों के मिले जुले प्रयास से तैयार किया गया है।

(कथा तुषार के एक पुस्तक का चित्र)

**कोंकणी में बच्चे के लिए पत्रिका चिरपुट का विकास**

बच्चोंके लिए तिमाही कोंकणी पत्रिका "चिरपुट" का प्रकाशन गुणवता कक्ष के द्वारा किया गया और सभी 75 कोंकणी माध्यम प्राथमिक स्कूलों को शुरूआती साक्षरता कार्यक्रम के रूप में वितरित किया गया।यह पत्रिका एस एस ए के गुणवता कक्ष का सृजनात्मक कार्य है और कोंकणी भाषा मंडल के साथ मिलकर डा. उषा शर्मा, एन सी आर टी, जो राष्ट्रीय स्तर पर शुरुआती साक्षरता के लिए तकनीकी परामार्श दाता हैं के मार्गदर्शन से विकसित किया गया है।इस पत्रिका का मराठी रूपांतरण वर्ष 2015-16 के लिए प्राकाशित होना है ।

*(बच्चों के लिए कोंकणी पत्रिका चिरपूट का चित्र)*

*3.2.* बी आर सी और सी आर सी के माध्यमसे शैक्षणिक सहायता :

| | ब्लाक संसाधन केंद्र/सीआरसी | लक्ष्य | | प्राप्ति | |
|---|---|---|---|---|---|
| | वेतन | भौ. | वि. | भौ. | वि. |
| 4 | ब्लाक संसाधन केंद्र | 141 | 327.600 | 141 | 277.95 |
| 5 | समूह संसाधन केंद्र | 108 | 347.760 | 108 | 234.69 |

3.3. टेक्सबुक का मुफ्त वितरण

गोवा एस एस ए ने राज्य के सभी सरकारी और सहायता प्राप्त ऊपरी प्राथमिक स्कूलों और सहायता प्राप्त प्राथमिक स्कूलों के विध्यार्थियों को मुफ्त टेक्सबुक वितरित किया।

वर्ष 2014-15 के दौरान कुल 136054 विध्यार्थियों को टेक्सबुक के सेट सभी विषय में 100% प्राप्ति लक्ष्य के साथ वितरित किये गये।

इस कार्य के अंतर्गत लक्ष्य और प्राप्ति का विवरण नीचे दिया गया है:

| 7 | मुफ्त टेक्सबुक | लक्ष्य | | प्राप्ति | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | भौतिक | वित्तीय | भौतिक | वित्तीय |
| 7.01 | मुफ्त टेक्सबुक (प्रा.) | 65235 | 97.85 | 65235 | |
| 7.02 | मुफ्त टेक्सबुक (ऊ.प्रा.) | 70827 | 177.07 | 70827 | |
| | उप योग | 1,36,062 | 274.92 | 1,36,062 | 366.24 |

### 3.4.यूनिफार्म की व्यवस्था

यूनिफार्म आर टी ई अधिनियम के अंतर्गत बच्चों के लिए आवश्यकता की गारंटी देता जिसे प्रारम्भिक शिक्षा पूरा करने और उन्हे स्कूल में बनाये रखने के लिए सुनिश्चित करता है।

जी एस एस ए ने यह प्रयास किया है कि निर्धारितसमय सीमा के अंदर ध्यान केंद्रित बच्चों को इसका हल दिलाया जाय। इस कार्य के अंतर्गत लक्ष्य और प्राप्ति का विवरण नीचे दिया गया है:

कक्षा एक से आठ तक के 14,708 विध्यार्थियो एक/दो सेट यूनिफार्म (सभी लडकियां, अ.ज. लडके और अ.ज. जा.) (22,259भौतिक इकाई) 100% प्रप्ति लक्ष्य के साथ वितरितकिया गया।इसके लिए रू.73.93 का कुलबजट आबंटन था और 71.65 लाख उपयोग किया गया।

टेक्सबुक के अंतर्गत लक्ष्य और प्राप्ति

| 8 | मुफ्त यूनिफार्म | लक्ष्य | | प्राप्ति | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | भौ. | वि. | भौ. | वि. |
| | यूनिफार्म | 22,259 यूनिट | 73.930 | 14,708 विध्यार्ती | 74.73 |

### 3.5 वार्षिक अनुदान

राज्य के सभी स्कूलों को स्कूल अनुदान दिया गया और सरकारी प्रारम्भिक स्कूलों कोअनुरक्षण अनुदान प्रदान किया गया।सरकारी और सहायता प्राप्त सभी स्कूलों को रू. 7000/- प्रति स्कूल के दर से स्कूल अनुदान प्रदान किया गया।उसी तरह से,3 क्लासरूम से कम वाले स्कूलों को रु.5000/- प्रति स्कूल के दर से और 3 क्लासरूम से ज्यादा वाले स्कूलों को रु.10000/- के दर से प्रति स्कूल अनुरक्षण अनुदानप्रादान किया गया। नीचे दिया गया सारांश इस कार्य के भौतिक और वितीय प्रगति को दर्शाता है।

- 1515 प्रारम्भिक स्कूलों को कुल लागत रु. 84.31 लाख का स्कूल अनुदान 100% लक्ष्य प्राप्ति के साथ प्रदान किया गया।
- 885 प्रारम्भिक स्कूलों को कुल लागत रु.51.20 लाख का अनुरक्षण अनुदान 100% प्राप्ति लक्ष्य के साथ प्रदान किया गया।
- कुल474 प्रारम्भिक स्कूलों को शुरुआती साक्षरता के विकास के लिए स्क्रिब्लिं सामग्री के व्यवस्था के लिए रु.2.37 लाख के कुल लागत का शिक्षक अनुदान 100% लक्ष्य प्राप्ति के साथ प्रदान किया गया।

लक्ष्य, प्रगति और प्राप्ति

| | वार्षिक अनुदान | लक्ष्य | | प्राप्ति | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | भौ | वि | भौ | वि |
| 12 | स्कूल अनुदान | 1515 | 84.31 | 1515 | 84.31 |
| | | | | | |
| 13 | अनुरक्षण अनुदान | 885 | 51.20 | 880 | 48.58 |
| | कुल | 2400 | 135.51 | 2395 | 132.89 |

# 3.6पहुंच

## 3.6.1. स्कूल से बाहर बच्चों के लिए पहल

राज्य ने यह लक्ष्य रखा है कि वर्ष 2014-15 के लिए 1664 स्कूल से बाहर बच्चों को शिक्षा में शामिल करेगा।हालांकि 440 बच्चों को विशेष प्रशिक्षण के दायरे में लिया गया है, जिन्हे राज्य के 24 विशेष प्रशिक्षण केंद्रों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है,जिनमे 8 स्कूल पर स्थितकेंद्रों में चल रहे हैं जो राज्यमें पहली बार है। जिले के अनुसार इन बच्चों का विवरण निम्नलिखित है:

**2014-15 के लिए स्कूल से बाहर बच्चों का भौतिक और वित्तीय प्राप्ति**

| कार्य | लक्ष्य | | प्राप्ति | |
|---|---|---|---|---|
| | भौतिक | वित्तीय | भौतिक | वित्तीय |
| एन आर एस टी सी | 1664 | 52.60 | 440 | 15.55 |
| कुल | 1664 | 52.60 | 440 | 15.55 |

- वर्ष 2014-15 के लिए अनुमोदित विशेष प्रशिक्षण केंद्र
  - उत्तर और दक्षिण गोवा जिले के 24 केंद्रों को अनुमोदन दिया गया है।
  - 12केंद्रएन जी ओ द्वारा चलाये जा रहे हैं और 12 केन्द्र स्कूलों में चलाये जा रहे हैं।12
  - कुल 440 बच्चों को इन केंद्रो मे विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें
GOVERNMENT OF GOA
GOA SARVA SHIKSHA ABHIYAN

वर्ष 2014-15 के लिए उत्तर गोवा के लिए अनुमोदित एनारएस टीसी की सूची

| क्र.स. | एन जी ओ/स्कूल का नाम | OoS की संख्या | केंद्रों की संख्या | स्कूल में/नान स्कूल बेस वाले |
|---|---|---|---|---|
| | उत्तर गोवा | | | |
| 1. | चालता फिरता स्कूल ,पेड्णे | 16 | 1 | नान स्कूल बेस (एन जी ओ द्वारा चालित) |
| 2. | इल्शद्दई चैरिटेबल ट्रस्ट | 125 | 2 | नान स्कूल बेस (एन जी ओ द्वारा चालित) |
| 3. | आशा किरण सोसायटी | 46 | 2 | नान स्कूल बेस (एन जी ओ द्वारा चालित) |
| 4. | लायन क्लब, ए एन पी | 15 | 1 | नान स्कूल बेस (एन जी ओ द्वारा चालित) |
| 5. | सोसायटी आफ सेंत विंसेंट पौल | 15 | 1 | नान स्कूल बेस (एन जी ओ द्वारा चालित) |
| | *कुल स* | *217* | *7* | |

वर्ष 2014-15 के लिए दक्षिण गोवा के अनुमोदित एनआर रएस टीसी की सूची

| क्र.स. | एन जी ओ/स्कूल का नाम | OoS की संख्या | केंद्रों की संख्या | स्कूल में/नान स्कूल बेस वाले |
|---|---|---|---|---|
| | दक्षिण गोवा | | | |
| 1. | किर्णिकेतन सोशल सेंटर | 52 | 4 | नान स्कूल बेस (एन जी ओ द्वारा चालित) |
| 2. | नगर निगम स्कूल | 18 | 1 | स्कूल बेस |
| 3. | जी पी एम एस सतरंत ,कोर्ताली | 10 | 1 | स्कूल बेस |
| 4. | देस्तारओ ईवस महिला मंडल | 23 | 1 | नान स्कूल बेस (एन जी ओ द्वारा चालित) |
| 5. | जी पी एस कासवेलीम | 8 | 1 | स्कूल बेस |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 6. | जी पी एस वादेनगर | 10 | 1 | स्कूल बेस |
| 7. | जी पी एस बैना | 20 | 1 | स्कूल बेस |
| 8. | अल शाददाई चैरिटेबल ट्रस्ट | 27 | 2 | नान स्कूल बेस (एन जी ओ द्वारा चालित) |
| 9. | सेंन्ट एंथनी प्रायमरी स्कूल | 8 | 1 | स्कूल बेस |
| 10. | जी पी एस वक्षीलुम | 2 | 1 | स्कूल बेस |
| 11. | जींपीएस गौथन | 6 | 1 | स्कूल बेस |
| 12. | नित्या सेवानिकेतन , रिवोना | 20 | 1 | नान स्कूल बेस (एन जी ओ द्वारा चालित) |
| | *कुल* | *204* | *16* | |

वर्ष2014-15 के लिए एन आर एस टी सी एस में स्कूल से बाहर बच्चों का नामांकन

| प्रखंड | नये | | पहले से मौजूद | | कुल | | कुल योग |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | लडके | लडकियां | लडके | लडकियां | लडके | लडकियां | |
| उत्तर | 117 | 100 | 0 | 0 | 117 | 100 | 217 |
| दक्षिण | 85 | 119 | 0 | 0 | 85 | 119 | 204 |
| गोवा | 202 | 219 | 0 | 0 | 202 | 219 | 421 |

मदरसों में नामांकित् स्कूल से बाहर के बच्चे और जिन्हे विशेष प्रशिक्षण उपलब्ध कराया गया है

| प्रखंड | नये | | पहले से मौजूद | | कुल | | कुल योग |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | लडके | लडकियां | लडके | लडकियां | लडके | लडकियां | |
| दक्षिण की गतिविधियां | 9 | 10 | 0 | 0 | 9 | 10 | 19 |
| कुल | 9 | 10 | 0 | 0 | 9 | 10 | 19 |

## 3.7. विशेष जरूरत वाले बच्चों के लिए सुविधाएं (समावेशी शिक्षा)

गोवा सर्व शिक्षा अभियान विशेष जरुरत वाले बच्चों को समावेश करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से रणनीती बनाकर लागू कर रहा जो इसके ध्यान केंद्रित गतिविधियों में एक हैनियमित स्कूलों में विशेष जरुरत वाले बच्चों को बनाये रखने के लिए नियोजित गतिविधियोकी मंजूरी संबंधित बजट में की गयी है यध्यपि लक्ष्य की प्राप्ति नहीं हो सकी है क्योंकि सहायता और उपकरण शीर्ष में मंजूरी अतिरिक्त दी गयी है विशेष जरुरत वाले बच्चों के लिए निम्नलिखित गतिविधियां की गयी :

- विशेष जरुरत वाले बच्चों में अक्षमता की पहचान करने हेतु मेडिकल कैम्प आयोजित किये गये
- इसके बाद सिफारिश किये गये मदद और उपकरणों का प्रावधान
- विशेष जरुरत वाले बच्चों के गृह आधारित शिक्षा जो शरीरिक रुप से स्कूल नहीं जा सकते
- पहचान किये गये विशेष जरुरत वाले बच्चों को लिए फिजिओथेरपी और स्पीच थेरापी की व्यवस्था करना
- समावेशी शिक्षा के प्रोत्साहन के लिए विश्व विकलंगता दिवस जैसी महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन
- विशेष जरुरत वाले बच्चों के माता पिता के लिए अभिभावक जागृत कार्यक्रम का आयोजन, समावेशी स्कूलों में शिक्षण पाठ्यक्रम से अवगत कराने के लिए शिक्षकों के लिए कार्यशाला

| गतिविधि | लक्ष्य | | प्राप्ति | |
|---|---|---|---|---|
| | भौतिक | वित्तीय | भौतिक | वित्तीय |
| विशेष रूप से जरुरतमंद बच्चों की पहचान के लिए मेडिकल आकलन कैम्प | 12 ब्लाक | 1.80 | 700 CWSN | 1.80 |
| सहायता और उपकरणों का प्रावधान | 361 | 10.83 | 348 | 6.14 |
| सही सर्जरी के लिए सहायता | जिले | 2.00 | 6 CWSN | 0.90 |
| विशेष रूप से जरुरतमंद बच्चों के स्कूल जाने के लिए एस्कोर्ट और परिवाहन | 250 | 6.25 | 61 | 2.03 |
| विशेष रूप से जरुरतमंद बच्चों के मातापिता के लिए देखभाल और समर्थन के लिए 2 दिनों का कार्यशाला | 41 | 0.082 | 7 | 0.014 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ब्लाक स्तर पर एक दिन का अभिभावक जागरुकता कार्यक्रम | 12 | 0.60 | 691 | 0.60 |
| फिजिओथेरापी/स्पीच थेरापी के लिए सेवाएं लेना | 12 | 2.00 | 9 | 0.63 |
| विश्व विकलंगता दिवस मनाना | 2 जिले | 2.149 | 325 | 2.149 |
| प्राइमरी स्तर के शिक्षकों को पाठ्यक्रम से अवगत कराने को लिए 5 दिनों का प्रशिक्षण | 167 | 1.67 | 177 | 1.67 |

**विशेष रूप से जरुरतमंदबच्चों के लिए मेडिकल कैम्प का आयोजन**

## कार्यकलापों की झलकियां

- वर्ष 2014-15 के दौरान विशेष रुप से जरुरतमंद 1683 बच्चोंके लिए रु.28.611 लाख बजट का आबंटित किया गया कुल बजट का रु. 15.07 उपयोग किया गया।

**अक्षमता की पहचान करने के लिए मेडिकल कैम्पों का आयोजन**

- ब्लाक स्तर पर विशेष रूप से जरुरतमंद बच्चों की पहचान के लिए मेडिकल कैम्पों आयोजन किया गया।रू 180000/- का कुल अनुदान प्रत्येक ब्लाक को @ रु.15000/- के दर से विशेष रूप से जरुरतमंद बच्चों की पहचान के लिए ब्लाक में मेडिकल कैम्प आयोजित करने के लिए आबंटित किये गये और पहचान किये गये विशेष रूप से जरुरतमंद बच्चों को रेफर किये गये अस्पताल में अक्षमता का वर्ग, प्रमाणन और सहायता और उपकरणों के प्रिक्रिपशन के लिए ले जाए।

## प्राथमिक स्तर शिक्षकों के लिए पाठ्यक्रम से अवगत कराने के लिए 5 दिन का प्रशिक्षण

- प्राथमिक स्तर शिक्षकों के लिए पाठ्यक्रमसे अवगत कराने के लिए 5 दिन का प्रशिक्षण फरवरी 2015 माह में आयोजितकिया गया। प्रशिक्षण में कुल 177 शिक्षक उपस्थित हुए, उत्तर गोवा से 102, और दक्षिणा गोवा से 75 सम्मिलित हुए।

## जरुरत मंद बच्चों के देखभाल और समर्थन पर माता पिता के लिए 2 दिन का गृह आधारित कार्यशाला का आयोजन

- विशेषजरुरत मंद बच्चों के देखभाल और समर्थन पर माता पिता के लिए 2 दिन का गृह आधारित कार्यशाला का आयोजन मार्च 2005 माह में आयोजित किया। गया कुल 7 माता पिता उपस्थित हुए जिनमें 2 उत्तर गोवा से और 5 दक्षिण गोवा से कार्यशाला में उपस्थित हुए।

## विश्व विकलंगता दिवस पर "टैलेंट शो" मनाना

- विशेषजरुरतमंद बच्चों के लिए विश्व विकलंगता दिवस मनाने के उद्देश्य से राज्य में उत्तर गोवा और दक्षिण गोवा में "टैलेंट शो" का आयोजन किया गया।
- विभिन्न स्कूलों के कुल 325 विशेष जरुरत बच्चे समिल्लित हुए।

## गृह आधारित शिक्षा

- उत्तरऔरदक्षिण गोवा के गृह आधारित शिक्षा के 7 विशेष जरुरतमंद लिए रु. 95700/- कि राशि दि गयी। निम्नलिखित बच्चे लभान्वित हुए :
  - सार्थ साईदासा अस्सोलकर - एमआर - पेड्णे
  - संजना पुंज लोहार -एम डी- कानकोना
  - अखिल नायक - सीपी - कानकोना
  - अजित गांवकर - ओआई–कानकोना
  - मंजुनाथ आर तवडकर - एम डी - कानकोना
  - साको जानो सेल्के - एम डी –धारवांदोडा
  - साहिल अनिल भगत -एमडी –धारवांदोडा

## सहायता और उपकरण

| क्र. स. | ब्लाक | सहायता और उपकरण प्रदान किये गये विशेष बच्चों कि संख्या | |
|---|---|---|---|
| | | अलीमेको | चष्मे |
| 1. | तिसवाडी | 6 | 6 |
| 2. | बार्देज | 7 | 15 |
| 3. | पेड्णे | 10 | 7 |
| 4. | पोंडा | 16 | 46 |
| 5. | बिचोलीम | 11 | 13 |
| 6. | सत्तरी | 5 | 5 |
| 7. | मुरमागांव | 8 | 5 |
| 8. | कानकोन | 6 | 8 |
| 9. | धारबांदोडा | 6 | 26 |
| 10. | केपे | 5 | 31 |
| 11. | सालसेट | 15 | 83 |
| 12. | सांगे | 3 | 3 |
| | Total: | 98 | 248 |
| कुल 346 विशेष बच्चों को रु .6,13,841/- के सहायता और उपकरण प्रदान किये गये । | | | |

शिक्षा का अधिकार

सर्व शिक्षा अभियान

सब पढ़ें सब बढ़ें

GOVERNMENT OF GOA

GOA SARVA SHIKSHA ABHIYAN

| क्र. स. | ब्लाक | विशेष बच्चों के नाम | स्कूल का नाम | कक्षा | दी गयी राशि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | तिसवाडी | प्रीती एस तलवार | अंजुमान नेउरुल हाई स्कूल | VI | 5000 |
| 2 | पेड्णे | रोहित आर कोरगांवकर | जी पी एस खंजने | IV | 13892 |
| 3 | पेड्णे | आरती ए मयेकर | जी पी एस धरेश्वर | IV | 23000 |
| 4 | पोंडा | अंजीम ए बिचानकर | जी पी एस दत्तगड बेतोड | III | 7652 |
| 5 | साँगे | रिया आर वेलीप | जी पी एस वाकिनी | III | 3237.39 |
| 6 | धारबांदोडा | रुद्र आर मांगोडकर | जी पी एस धात मोले | I | 37300 |
| | | | कुल | | 90081.39 |

फिजिओथेरापी और स्पीच थेरापी मामले

| क्र. स. | ब्लाक | विशेष बच्चों के नाम | अक्षमता का प्रकार | दी गयी राशि |
|---|---|---|---|---|
| 1. | तिसवाडी | प्रावीणा फतर्पेकर | सी पी | 15000.00 |
| 2. | तिस्स्वाडी | फर्मासीस्को अराउजो | ओ आइ | 15600.00 |
| 3. | पेड्णे | रामा वी. पेड्णेकर | एम डी | 5700.00 |
| 4. | पेड्णे | कुणाल ठाकुर | ओ ई | 5700.00 |
| 5. | पोंडा | जानवीडी नाईक | एच आई/एस आई | 4500.00 |
| 6. | पोंडा | ध्रुवखेडेकर | एच आई/एस आई | 4500.00 |
| 7. | पोंडा | सार्थक नाईक | एच आई/एस आई | 4500.00 |
| 8. | पोंडा | तनवीषा गावडे | एच आई/एस आई | 4500.00 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 9. | कानकोन | सहिश एच लामानी | एस आई | 3600.00 |
| | | | कुल | 63,600.00 |

विशेष बच्चों को उपलब्ध कराया गया एस्कोर्ट और परिवाहन

| क्र.स. | ब्लाक | विशेष बच्चों की संख्या | दी गयी राशि |
|---|---|---|---|
| 1. | तिसवाडी | 1 | 2000.00 |
| 2. | बार्देज | 5 | 10000.00 |
| 3. | पेडणे | 1 | 2000.00 |
| 4. | पोंडा | 17 | 34000.00 |
| 5. | बिचोली | 9 | 18000.00 |
| 6. | मुरमागांव | 3 | 6000.00 |
| 7. | कानकोन | 5 | 10000.00 |
| 8. | धारबांदोडा | 6 | 12000.00 |
| 9. | केपे | 1 | 2000.00 |
| 10. | सालसेट | 2 | 4000.00 |
| 11. | सांगे | 4 | 8000.00 |
| | कुल | 54 | 108000.00 |
| कुल 54 बच्चे को स्कूल जाने के लिए एस्कोर्ट और परिवाहन उपलब्ध कराया गया और कुल राशि रु. 108000/- दी गयी। | | | |

एक दिन का माता पिता जागरुकता कार्यक्रम

| क्र. स. | ब्लाक | माता पिता की संख्या |
|---|---|---|
| 1. | तिसवाडी | 80 |
| 2. | बार्देज | 25 |
| 3. | पेडणे | 62 |
| 4. | पोंडा | 60 |
| 5. | बिचोली | 88 |
| 6. | मुरमागांव | 62 |
| 7. | कानकोन | 63 |
| 8. | धारबांदोडा | 67 |
| 9. | केपे | 70 |
| 10. | सालसेट | 29 |
| 11. | सांगे | 35 |
| | Total: | 691 |
| कुल 691 माता पिता 1दिन के माता पिता जागरुकता कार्यक्रम में शामिल हुए और रु. 60000/- की राशि दी गयी। | | |

## 3.8 समुदायिक संघटन

### 3.8.1 एस एम सी प्रशिक्षण

सभी एस एम सी को स्कूल विकास में समुदायिक संघटन को मजबूती प्रदान के लिए तैयार किया गया है, इसलिए बी आर सी और सी आर सी को 2 दिन का अनिवासी समुदायिक प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए विस्तृत निर्देश दिये गये हैं। योजना की प्रक्रिया, मानिटारिंग और स्कूल विकास में समुदाय के महत्व को प्रशिक्षण कार्यक्रम दौरान बताया गया। निम्नलिखित उपलब्धियां हैं :

- सभी 2144 पुरूष एस एम सी सदस्यों और 2388 माहिला सदस्यों को आर टी ई 2009 का प्रशिक्षणा दिया गया।।
- कुल प्रशिक्षित सदस्यों की संख्या : 4512

### 3.8.2मीडिया गतिविधियां

- झांकी– बालराम हाई स्कूल के सहयोग से झांकी तैयार किया गया और राज्य शिंगमोत्सव में कानकोन में प्रदर्शित किया गया । इस झांकी का विषय “TRIBAL TRADITIONS INTERWOVEN WITH RTE 200”था और इसके लिए रु. 1,59,214/- उपयोग किया गया
- आर टी ई गीत सी डी – एक आडियोविजुअल सी डी जो आर टी ई अधिनियम 2005 के प्रावधानों को दर्शाती है का वितरण राज्य के 1515 स्कूलों में वितरण में किया गया ।
- विज्ञापन–स्थानीय टी वी चैनलों में शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रधान मंत्री का बच्चों के साथ बातचीत को बाट्म लाइन स्क्रोल विज्ञापनमें दिखाया गया और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर समाचार पत्रों में आर टी ई 2009 अधिनियम पर जागरूकता फैलाने के लिए विज्ञापन दिया गया और इस पर कुल मिलाकर र.56,173.00 की राशि खर्च की गई ।
- आर टी ई अधिनियम के “स्ट्रीट प्ले” आयोजित करने के लिए 12 ब्लाकों को प्रति ब्लाक रू. 10,000 की राशि दी गयी ।इसके लिए कुल रू. 1,11,898.00 उपयोग कियागया ।
- माई प्लेस इन स्कूल (कैलेंडर) 2015-16 का डिजाइन पार्ट टाइम कला प्रशिक्षकों की मदद से किया जिसमें सादृश्य कला के माध्यम से आर टी ई में निहित संदेश को बच्चों के हित में दिखाया गया है । इस उद्देश्य के लिए रू390000.00 की राशि का उपयोग किया गया ।इन कैलेंडरों को सभी स्कूलों में वितरित किया गया और अधिकतर ग्राम पंचायतों में भी आर टी ई जागरूकता को प्रोत्साहन के प्रयास से वितरित किये गये ।

समुदाय संघटन के अंतर्गत लक्ष्य और प्राप्ति

| | एस एम सी /पी आर आई प्रशिक्षण | लक्ष्य | | प्राप्ति | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | भौतिक | वित्तीय | भौतिक | वित्तीय |
| | 2 दिन का अनिवासी प्रशिक्षण | 4436 | 8.87 | 4512 | 2.80 |
| | मीडिया गतिविधियां | - | 10.87 | - | 8.57 |
| | उप योग | 4436 | 19.74 | 4512 | 11.37 |

## 3.9. आर ई एम एस

रेम्स घटक के अंतर्गत , सेथु द्वारा 'Reading of English in Middle Schools' विषय पर अध्ययन के लिए प्रस्ताव को राज्य द्वारा मंजूरी दी गई। सेथु द्वारा इसके लिए रू. 7 लाख का अनुमानित प्रस्ताव रखा गया था परंतु रू.4 लाख मात्र की अनुमानित राशी मंजूर हुई।

सेथु द्वारा प्रारम्भिक प्रस्ताव का विवरण नीचे दिया गया है :

Reading of English in Middle Schools (सेथु द्वारा अध्ययन)

यह प्रस्ताव गोवा के जाने माने सायकोलाजिस्ट, डा. नांदिता डिसूझा, सेथु फाउंडेसन से प्राप्त हुआ, जो बच्चों को सीखने का राह दिखाने में माहिर है, खास तौर पर विशेष बच्चों को।यह मनोवैज्ञानिक जांच के रूप में और ज्ञानार्जन के बारे में पता लागती है साथ ही साथ बच्चों में व्यवहार में समस्या का भी पता लगाती है।सेथु 8 वर्षों से बाल विकास और परिवार के मार्गदर्शन के क्षेत्र में कार्य कर रहा है और पिछले 5 वर्षों से सरकारी प्राथमिक स्कूल मेंअंग्रेजी शिक्षण कार्यक्रम चला रहा है।

प्रस्तावित अध्ययन कक्षा 5 में देशी भाषा से अंग्रेजी माध्यम की तरफ दोनों तरह के स्कूलों सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों के बच्चों के चले जाने के प्रभाव को मापने के लिए किया गया है।

सेथु द्वारा अग्रेषित किया गया ब्यौरा इस तरह से है:

<u>प्रोजेक्ट का शीर्षक</u>: *'Reading in English in Middle Schools'*

<u>सहयोगी</u>: बुकवर्म, एक ऐसी संस्था है जो पूरे गोवा भर में पुस्तक के लिए प्रेम और स्कूलों में पठन को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से गहरे रूप से जुडा हुआ है जैसे कि स्कूलों में पुस्तकालय, बुकवर्म पब्लिलिशिंग और मोबाइल आउटरिच प्रोजेक्ट।

<u>उद्देश्य:</u>

1) क्या गोवा के सरकारी या सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के अंग्रेजी माध्यम के कक्षा 5 में पढ रहे बच्चे कक्षा 5 में पहुंचने पर अंग्रेजी उस स्तर पर पढने में सक्षम हैं।
2) पढाई को अर्थ निर्माण प्रक्रिया के रुप ना कि कौशल के रूप मेंमें आकलन करना है।धाराप्रावाहिता के पहलुओं का पता लगाने पर ध्यान दिया जाएगाऔरविस्तृत पाठपर प्रमुखता से ध्यान रहेगा।
3) बच्चों में भाषा सीखने के मौखिक पहलुओं का आकलन करना,जैसे कि अंग्रेजी में पाठ बताना और सुनना।
4) अंग्रेजी में सुगमता से लेखन का आकलन
5) अंग्रेजी साक्षरता को प्राभवित करने वाले विभिन्न घटकों का मूल्यांकन जैसे कि स्कूल का वातावरण, शिक्षक का रवैया, शिक्षण का तारीका, माता पिता का शिक्षा, घर का वातावरण, ट्यूशन कक्षायें आदि।

<u>पद्धति:</u>

1) क्लासरूम में प्रयोग में लाये जाये वाले शिक्षण और सीखने की प्राक्रिया के द्वारा ग्रेड 5 के स्तर में प्रत्येक बच्चे के डाटा को एकत्रित और आकलन करना,
2) शिक्षकस्तर विभिन्नताओं के अध्ययन के द्वारा(जैसे कि शिक्षक ज्ञान और विश्वास),
3) स्कूल स्तर विभिन्नताओ का अध्य्यन के द्वारा जैसे कि पुस्तकालय की उपलब्धता, स्कूल में प्रिंट, स्कूल किस जगह में स्थित है आदि ,

4) बच्चे के बैकग्राउंड जैसे कि बोली जानेवाली भाषा, घर का वातावरण का पता लगाना जो साक्षरता को प्राभावित करने वाले प्रमुख घटक हैं।

**नमूना का आकार**

राज्य के 12 स्कूलों को लेने के लिएजगह के आधार पर शहरी, ग्रामीण और तटीय क्षेत्रों से चुने गये औरअंग्रेजी में उनका एक्स्पोजर और वातावरण को मानकर लिया गया। 6 स्कूल सरकारी होंगे और 6 स्कूल सहायता प्राप्त वाले। प्रत्येक स्कूल से 12 बच्चों का आकलन किया जाएगा।कुल 144 का नमूना का आकार होगा।निम्नलिखित ग्रुप में से प्रति स्कूल 12 बच्चों का बैच लिया जाएगा:

- औसत से ऊपर प्रदर्शन करने वाले
- औसत
- औसत से नीचे प्रदर्शन वाले
- जिन बच्चे की पहचान अक्षम बच्चे के रुप में हुई है या जिस बच्चे ने उसी स्कूल में प्राथमिक शिक्षा पकि पढाई नहीं की है ऐसे बच्चों को शामिल नहीं किया जाएगा।

**उपकरण और डाटा का आकलन**

अध्ययन का महत्वपूर्ण घटक यह था कि पढाई आकलन उपकरणों का विकास और क्रियान्वित करना। पाठ्यक्रम पर आधारित पढाई उपकरणों का विकास किया जाएगा। पाठ्य सामग्री पर आधारित रनिंग रेकार्ड लिये जाएंगे।लिखित और मौखिक पाठ को मापा और आकलन किया जाएगा।अर्ध निर्मित और अनिर्मित साक्षत्कार स्कूल के शिक्षकों साथ किया जाएगा।

पढाई का आकलन पाठ्यक्रम आधारित आकलन, रनिंग रेकार्ड और मौखिक प्रश्न और उत्तरों पर किया जाएगा।लेखन का मूल्यांकन पिक्चर क्यू के प्रयोग से किया जाएगा।तैयार किये प्रश्नावली के माध्यम से शिक्षकों से जानकारी एकत्रित की जाएगी। क्लासरुम प्रेक्षण भी आयोजित किये जाएंगे।अध्ययन समझने के लिए और जानकारी के लिए पाठ्यक्रम का विश्लेषण किया जाएगा।

**समय सीमा**

प्रोजेक्ट 6 माह तक चलेगा

प्रथम चरण : 0-2 माह स्कूलों की पहचान के लिए, प्रोजेक्ट टीम को प्रशिक्षण, आकलन सामग्रीऔर प्रश्नावली तैयार करना।

दूसरा चरण : 3-4 माह, डाटा को एकत्रित करना

तीसरा चरण : 5-6माह डाटा का विश्लेषण, रिपोर्ट तैयार करना, रिपोर्ट साझा करना।

**निष्कर्ष:**

यह अध्ययन गोवा में मिड्ल स्कूल के शुरुआत में अंग्रेजी की साक्षरता के अंदर की स्थिति को देखने में मदद प्रदान करेगा जो कि विध्यार्थी के जीवन में अहम वर्ष है।इसके अलावा यह विभिन्न घटकों को समझने में सहायता प्रदान करेगा जो प्रक्रिया मेंअतिक्रमण करते हैं।यह ज्ञान प्रयोगिक रुप से सुदृत निर्देश देने के लिए सिफारिस करने में सहायता प्रदान करेगा।

**सेथु द्वारा प्रस्तुत अनुमानित बजट : रू. 7.5 लाख**

उपरोक्तप्रोजेक्ट पी ए बी द्वाराअनुमोदित किया परंतु 4 लाख के कम बजट के साथ। इसलिए अनुसंधान केवल 15 स्कूलों के नमूने के आकार में लिया गया। सेथु को सर्वे का कार्य सौंपा गया इससे पहले सभी कोडल फोर्मलिटीज पूरी की गयी जिसमें जी एस एस ए के साथ एम ओ यू पर हस्ताक्षर के साथ प्रोजेक्ट पूरा करने के बारे विस्तृत ब्यौरा बता दिया गया। सभी स्तर पर कई बैठकें आयोजित की गई।संबंधित सेम्पल स्कूलों के प्रमुखों के साथ जान पहचान सत्र आयोजित किये गये जिससे स्कूलों के प्रमुखों के इस तरह के पहल से अपेक्षाओं का फीड्बैक प्राप्त कर सके।प्राप्त प्रतिक्रिया के आधार पर सेथु ने विक्लपों में और अपनायी जाने वाली प्रक्रिया में सूक्ष्म सुधार कर अध्ययन सही दिशा में बढी।पूरा अध्ययन सुगठित तरीके से बानाकर निश्चित समय सीमा में पूरा हो गया।अध्ययन का विस्तृत रिपोर्ट गोवा सर्व शिक्षा को इसा अनुरोध के साथ प्रस्तुत कर दिया गया कि पायी गयी जानकरियों से संबंधितों को अवगत करा दिया जाय।रिपोर्ट की एक प्रति एम एच आर डी को दे दी गई है।

### 3.10काल के लिए आविष्कारी निधि :

आविष्कारी निधि के अंतर्गत राज्य को रु. 4.92 लाख की निधि 123 सरकारी मिडिल स्कूलों में उपलाब्ध कराये गये हार्डवेयर के अनुरक्षण कार्य और काल उपकरण के व्यवस्था के लिए मंजूर की गयी है। प्रस्तावों का विवरण इस तरह से था:

पिछले 3 वर्षों के दौरान 125 ऊपरी प्राथमिक स्कूलों में उपलब्ध कराये गये हार्डवेयर के अनुरक्षण के लिए प्रति स्कूल रू. 4000/- दर से सहायता राशि दी गयी क्योंकि 3 साल का वारंटी अवधि समाप्त हो चुका है। ऊपरी सीमा की राशि के लिए अनुरोध किया है, निधि छोडने से पहले प्रति स्कूल आवश्यकता का आकलन किया जाय। अंत में, इस तरह के अनुरक्षण और मरम्मत की आवश्यकता वाले स्कूलों की सूचि तैयार कर ई सी के समक्ष अनुमोदन के लिए रखा जाएगा, यदि पी ए बी प्रस्ताव को मंजूरी देता है।

लक्ष्य और प्राप्ति :

| राज्य | यू पी एस की संख्या (भौतिक) | वित्तीय (@ Rs. 4000 प्रति स्कूल ) | वित्तीय प्राप्ति |
|---|---|---|---|
| कुल | 123 | 4.92 लाख | 3.38 लाख |

### 3.11.सिविल कार्य :

सिविल कार्य के निम्नलिखित कार्य के लिए राज्य को केवल रु.25.00 लाख का बजट मंजूर किया गया।

| सिविल कार्य का प्रकार | भौतिक लक्ष्य | बजट आबंटन |
|---|---|---|
| रैम्प | 50 इकाई | 15.00लाख |
| पीने के पानी की सुविधा | 50 इकाई | 10.00लाख |
| *शौचालय | 151 इकाई | 72.48 लाख |

## बी आर पी और सी न आर पी के लिए क्षमता विकास प्रशिक्षण

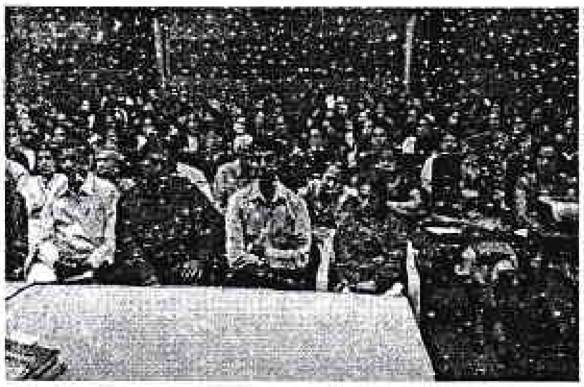
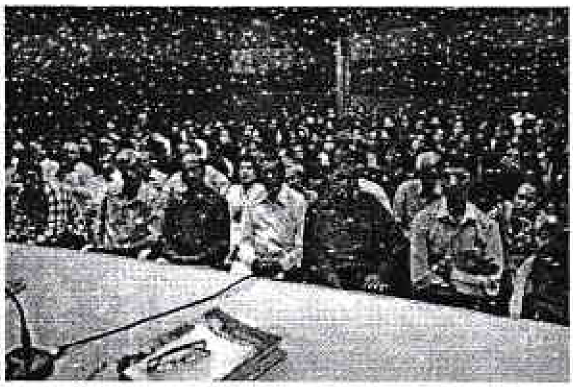

## पहली और दूसरी कक्षा के लिए शुरूआती प्राशिण

## शुरूआती संख्यात्मक प्रशिक्षण

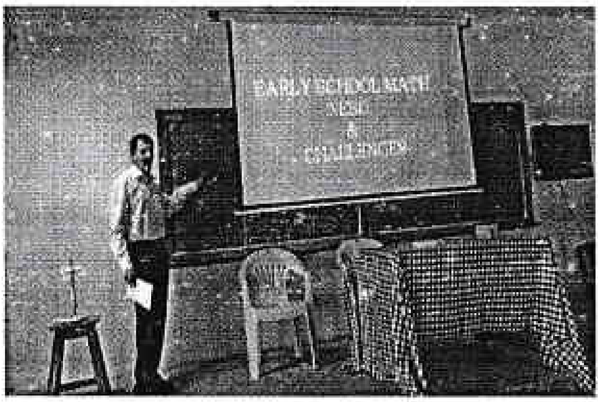


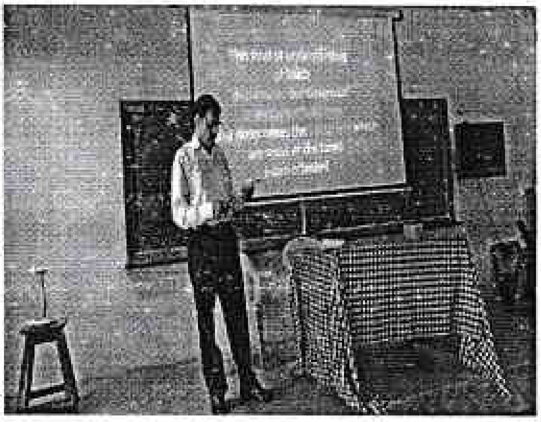

ई वी एस में लर्निंग सूचक

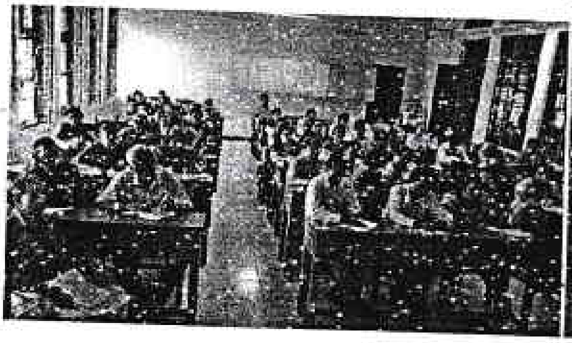

कक्षा तीसरी, चौथी और पांचवी के लिए लर्निंग सूचक प्रशिक्षण

शिक्षा का अधिकार

सर्व शिक्षा अभियान

सब पढ़ें सब बढ़ें

GOVERNMENT OF GOA

GOA SARVA SHIKSHA ABHIYAN

# आभार

गोवा सर्व शिक्षा अभियान ने रिपोर्ट किए वर्ष के दौरान राज्य शिक्षा व्यवस्था में अधिकतम प्रभाव डालने के लिए कठोर परिश्रम किया।विभिन्न पदों के स्तर पर 200+ स्टाफ के साथ समय- सीमा में निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के भरसक प्रयास किया।राज्य और जिला समन्यवकों के सहयोग से शिक्षक प्रशिक्षण, एस एम सी प्रशिक्षण और गुणवत्ता कार्यकलापों के क्षेत्र में बहुत सारी उपलब्धियां प्राप्त की।जी एस एस ए का गुणवत्ता कक्ष आविष्कार और परिश्रमी कार्य के लिए विशेष सराहना का हकदार है।उनके सृजित प्रयासों की वजह से जी एस एस ए के लिए महत्वपूर्ण वृद्धि रुपांतरित हुई है जो कि लिंडिक्स पर शिक्षकों के लिए पुस्तिका, बरखा सीरीज का अनुवाद और हमारे अपने शुरुआती साक्षरता पढाई सामग्री पर कथा तुषार सीरीज का डिजाइन और विकास उनकी उपलब्धियां हैं।उनके परिश्रमिक कार्य को पूरे राज्य में पहचान मिली और सराहना मिली है, विशेषकर प्राध्यापक वर्ग में।

समुदाय संघटन के माध्यम से हमने पी टी ए और एस एम सी को शिक्षित करने का प्रयास किया है, यह कदम उनके क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं को मजबूती प्रदान करने के लिए किया गया जिससे चाइल्ड फ्रेंड्ली वातावरण का निर्माण हो सके। हम एस एम सी का हार्दिक रूप से आभार व्यक्त करते हैंजिन्होने स्कूल वातावरण में पुन: जोश भरने के लिए और स्कूल समुदाय को सक्रिय बनाने में मुख्य भूमिका निभाया है।

विभिन्न कार्यकलापों के माध्यम से स्कूलों में परिलक्षित और गुणात्मक बद्लाव हुए हैं परंतु हमें मानना होगा किसरकारी प्राथमिक स्कूलों में गुणवता शिक्षा की व्यवस्था कर संख्या बढाने का महत्वपूर्ण बडा कार्य हमारे हाथ में है।

गोवा सर्व शिक्षा अभियान ने राज्य के सभी स्कूलों में जहां सम्भव हो अच्छे शौचालय और पीने कीसुविधाओं की व्यवस्था कर जबरदस्त प्रदर्शन किया है।

हम नम्रतापूर्वक कह सकते हैं कि गोवा सर्व शिक्षा अभियान आगे की तरफ बढ रहा और सभी हितधारकों अर्थात्, शिक्षा निदेशालय , एसएमसी सदस्य, स्थानीय निकायों के सदस्यों आदि के साथ सक्रिय सहयोग के कारण राज्य पर एक प्रभाव पैदा कर दी है।

कर्मचारियों और एसपीओ और डीपीओ स्तरों पर सभी पदाधिकारियों , बीआरसी,बी आर पी और सीआरपी के साथएक प्रमुख भूमिका निभाई है जिन्होने दूर दराज के क्षेत्रों में लगातार निगरानी कर जमीनी स्तर पर आवश्यक योजनाओं को कार्यान्वयन का कार्य किया है।

एस आर जी के सदस्यों ने अपनी विशेषज्ञता से राज्य के ज्ञान के आधार को जोड़कर पर सर्व शिक्षा अभियान गोवा को मजबूत बनाने में योगदान दिया है।

गोवा सर्व शिक्षा अभियान प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में हम्हें सहयोग और प्रोत्साहन देने के लिए शिक्षा निदेशालय, माध्यमिक शिक्षा के निदेशक और डी आई ई टी के प्राचार्य का हार्दिक आभार व्यक्त करता है।

प्राशासी परिषद के अध्यक्ष, मुख्य सचिव, गोवा, श्री बी विजयन को उनके समर्थन और मार्गदर्शन के लिए सर्व शिक्षा अभियान, गोवा हार्दिक रूप से धन्यवाद व्यक्त करता है।

उसी तरह से, गोवा सर्व शिक्षा अभियान कार्यकारी समिति के अध्यक्ष और सचिव (शिक्षा) श्री डीपी द्विवेदी, आईएएस द्वारा प्रदान की गईबहुमूल्य मार्गदर्शन का गहरा आभार व्यक्त करता है, जो कि एस एस ए को मार्गदर्शन दिखाने में प्रकाश स्तम्भ हैं, सटीक मानिटारिंग और लक्ष्यों की प्राप्ति में उनका खास योगदान है और हमें निष्टा से साथ काम करने और मेहनत के साथ काम करने के लिए प्रेरित किया।वे सर्किय समन्वयक हैं जो गोवा जी एस एस को प्रभावित करने वाले सभी संबंधित विभागों के मध्य सदभावपूर्ण समंजता स्थापित करते हैं।

अन्त में, सर्व शिक्षा अभियान गोवा मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधिकारियों को पी ए बी मूल्यांकन बैठकों से पहले के समय में बहुमूल्य सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करता है।

विशेष रूप से हमडॉ मीनाक्षी जॉली का उनके बहुमूल्य समर्थन और सुझावों के लिए धन्यवाद व्यक्त करते हैं । हमारे टीएसजी (एडसिल इंडिया लिमिटेड) के सदस्यों का भी आभार व्यक्त करते हैं जिन्होने प्रोग्राम के मुश्किल समय में समस्या के निदान के लिए आवश्यकता पढ्ने पर हमेशा तौयार रहते हैं।

हम एक बार फिर से नि: स्वार्थ भाव से काम करने के लिए, हमारे राज्य में हर बच्चे के लिए गुणवत्ता और बच्चे के अनुकूल शिक्षा प्रदान करने के लिएमजबूती से संकल्प लेते हैं ,क्योंकि एक अच्छी तरह से शिक्षित और अच्छी तरह से पोषित बच्चे हमारे देश के भविष्य की ताकत हैं, जिनके नाजुक कंधों पर देश का भविष्य निर्भर और हमारी मातृभूमि की अच्छाई गढी जाएगी । इसलिए चलिए, हमारे बच्चों के जीवन में निवेश जारी रखें !

कृतज्ञ धन्यवाद के साथ

ह./-

श्री अनिल विश्वनाथ पोवार
राज्य परियोजना निदेशक
गोवा सर्व शिक्षा अभियान